महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

यदि हम असफल होते हैं, तो दुगुनी या चौगुनी ऊर्जा और उत्साह के साथ अपने लक्ष्य की ओर फिर से अपनी यात्रा शुरू करें, हम अवश्य सफल होंगे...

वर्ष : 16 अंक : 273 | उज्जैन, सोमवार 16 मार्च 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

पूर्व विधायक के फार्महाउस पर ड्रग्स पार्टी का भंडाफोड़, TDP सांसद समेत 6 गिरफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। तेलंगाना के मोइनाबाद स्थित एक फार्महाउस पर शनिवार रात पुलिस की ईगल फोर्स और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त छापेमारी की। इस कार्रवाई में आंध्र प्रदेश के एलुरु से तेलुगु देसम पार्टी (तेदेपा) सांसद पुट्टा महेश कुमार और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी सहित छह लोगों को नशीली दवाओं (ड्रग्स) के सेवन के आरोप में हिरासत में लिया गया है। इस बीच, कांग्रेस नेता वी. हनुमंत राव ने मोइनाबाद स्थित पूर्व विधायक पायलट रोहित रेड्डी के फार्महाउस पर मिली ड्रग्स पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर, कांग्रेस एमएलसी बालमूर वेंकट ने नो ड्रग्स, नो केटीआर के नारे लगाते हुए बीआरएस नेता केटी रामा राव (केटीआर) का पुतला फूंका और उन्हें ड्रग टेस्ट कराने की चुनौती दी। फार्महाउस पर पार्टी के दौरान एक व्यक्ति ने रिवाल्वर से हवा में तीन राउंड फायरिंग की। पुलिस ने हथियार जब्त कर लिया है। पुलिस ने मौके पर 11 लोगों का %यूरिन ड्रग टेस्टिंग किट से परीक्षण किया। शुरुआत में रोहित रेड्डी सहित पांच लोग पाजिटिव पाए गए, जबकि सांसद महेश कुमार का टेस्ट नेगेटिव रहा। अस्पताल में दोबारा जांच और ब्लड टेस्ट के बाद सांसद महेश कुमार की रिपोर्ट भी पाजिटिव आई। इलिट एक्शन ग्रुप फार ड्रग ला एन्फोर्समेंट (ईगल) फोर्स के अधिकारी ने पुष्टि की, सांसद शुरू में नेगेटिव थे, लेकिन ब्लड टेस्ट में उनके ड्रग्स लेने की पुष्टि हुई है।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन दौड़ने को तैयार, सोमवार से जींद-सोनीपत ट्रैक पर भरेगी रफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। हाइड्रोजन ट्रेन सोमवार को जींद से सोनीपत जाएगी। बताया जा रहा है कि आगामी दिनों में ये ट्रेन जींद से सोनीपत के बीच प्रतिदिन दो से तीन चक्कर लगाएगी, जोकि ट्रायल का हिस्सा है। चेन्नई में तैयार हुई नमो ग्रीन रेल देश की पहली हाइड्रोजन गैस से चलने वाली ट्रेन है। इसके संचालन से पहले रेलवे पूरी सतर्कता बरत रहा है। ट्रेन को रविवार से चलाने की तैयारी थी, लेकिन एक इंजन में हाइड्रोजन गैस नहीं भरी जा सकी, जिसकी वजह से ट्रेन को नहीं चलाया जा सका। बता दें कि लखनऊ से आई आरडीएसओ (अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन) की टीम ने 25 से 28 फरवरी तक ट्रेन का रनिंग ट्रायल किया था। 25 फरवरी को सुबह 8:25 बजे ट्रेन सोनीपत की ओर रवाना हुई। पहले पांडू पिंडारा तक डीजल इंजन की मदद से ले जाया गया। पांडू पिंडारा से ललित खेड़ा तक हाइड्रोजन इंजन के साथ रनिंग ट्रायल हुआ। दोनों स्टेशनों के बीच दो बार ट्रेन को चलाया गया। इस दौरान 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा स्पीड रखी गई। पिंडारा पहुंचने के बाद गोहाना से आगे मुहाना तक डीजल इंजन के साथ ट्रेन को ले जाया गया। वापसी में हाइड्रोजन इंजन के साथ ट्रेन को चलाया गया। 26 फरवरी को दूसरे दिन जींद से सोनीपत जाते समय ट्रेन की स्पीड 60 किलोमीटर प्रति घंटा रही। वापसी में स्पीड 85 किलोमीटर प्रति घंटा रही। पांडू पिंडारा और ललित खेड़ा के बीच ट्रेन ने दो चक्कर लगाए। 27 को बिना पानी की कैन के ट्रायल किया गया। 28 को रनिंग ट्रायल पूरा कर आरडीएसओ की टीम वापस चली गई। पिछले सप्ताह ट्रेन को मेंटेनेंस के लिए दिल्ली के शकूरबस्ती भेजा गया था। वहां से शनिवार को ट्रेन वापस जींद आई। रेलवे सूत्रों के अनुसार उद्घाटन से पहले ट्रायल के तौर पर ही हाइड्रोजन ट्रेन को जींद-सोनीपत ट्रैक पर दौड़ाया जाएगा।

बुरहानपुर महाविद्यालय में पढ़ाया जाएगा कृषि संकाय- मुख्यमंत्री

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धूलकोट अब बनेगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नेपानगर अद्भुत नगरी है। यह कृषि और उद्योग का बेजोड़ संगम है। बुरहानपुर जिला मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता का जीवंत उदाहरण है। हम बुरहानपुर के एग्री एक्सपोर्ट और प्रोसेसिंग का हब बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। प्रदेश के जनजातीय वर्ग का समग्र विकास हमेशा से ही हमारी पहली प्राथमिकता रही है। जनजातीय समाज के समग्र कल्याण के लिए नए वित्त वर्ष 2026-27 के सालाना बजट में 26 प्रतिशत की वृद्धि कर 47 हजार 428 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा है, जिससे जनजातीय वर्ग के चहुंमुखी विकास और कल्याण में कोई कमी न रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय पीएम जन-मन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत कराए जा रहे कार्य प्रदेश में जनजातीय कल्याण का नया अध्याय लिख रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को बुरहानपुर जिले के जनजातीय बहुल नेपानगर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधानसभा क्षेत्र को 363 करोड़ 82 लाख रुपए के 127 विकास कार्यों की सौगात दी। इसमें 191 करोड़ 62 लाख रुपए लागत के 81 विकास कार्यों का भूमिपूजन (30.59 करोड़ से सातपायरी में औद्योगिक प्रक्षेत्र के भूमिपूजन सहित) और 172 करोड़ 20 लाख रुपए लागत के 46 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विकास तभी सार्थक है, जब इसके प्रकाश का पूरा लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जिन विकास कार्यों की सौगात मिली है, यह इस क्षेत्र के जनजातीय बंधुओं के कल्याण में मील का पत्थर साबित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इतिहास के पन्नों में नेपानगर दक्षिण के द्वार के रूप में अंकित है। कभी खानदेश और दक्षिण की काशी के रूप में पहचाने जाने वाले नेपानगर को हमारी सरकार महाराष्ट्र के छोर पर मध्यप्रदेश के विकास के प्रमुख द्वार के रूप में विकसित करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेपानगर विधानसभा क्षेत्र में दो प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं (झिरमिट्टी मध्यम सिंचाई परियोजना एवं नावथा वृहद सिंचाई परियोजना) को शासकीय मंजूरी मिलने की जानकारी देते हुए कहा कि ये सिंचाई परियोजनाएं इस क्षेत्र के 34 हजार 400 किसान परिवारों की तकदीर और तस्वीर बदल देंगी। उन्होंने बताया कि कुल 2598.97 करोड़ रुपये की इन दोनों परियोजनाओं से जनजातीय बहुल क्षेत्र में 51800 हेक्टेयर कृषि रकबे में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। इन परियोजनाओं से 132 गांव लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी के भी अनर्गल प्रलाप से कतई प्रभावित न हों। इन परियोजनाओं के निर्माण में हमारी सरकार किसी भी व्यक्ति या किसान को घर से बेघर नहीं होने देगी। हम सबके हितों का बराबर ध्यान रखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नेपानगर पेपर मिल इस क्षेत्र की पहचान है। यह मिल हमेशा की तरह चलती रहेगी। इस चलाए रखने के लिए हम सभी व्यवस्थाएं और समुचित प्रबंधन करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार इस मिल के कागज भी खरीदेगी और श्रमिक को उसके रोजगार से जोड़े रखेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएँ- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीते एक माह के दौरान ही दो कार्यक्रमों में बुरहानपुर जिले को करीब 1100 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगातें मिली हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुरहानपुर के शासकीय महाविद्यालय में कृषि संकाय की पढ़ाई प्रारंभ कराने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपानगर में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की स्मृति में एक आकर्षक उद्यान बनाया जाएगा। धूलकोट के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रोन्नत किया जाएगा। लोखंडिया से हसीनाबाद मार्ग के चौड़ीकरण के साथ ताप्ती नदी पर वर्तमान रपटे के स्थान पर एक उच्च स्तरीय पुल बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र की पहचान असीरगढ़ के किले को भव्य पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश के वनवासियों को दिए गए वन अधिकार पट्टों को अब राजस्व विभाग के माध्यम से संपत्ति की रजिस्ट्री के रूप में बदला जाएगा, इसकी रजिस्ट्री शुल्क का खर्चा राज्य सरकार उठाएगी। क्षेत्रीय जनजातीय बन्धुओं को वनाधिकार पट्टों का लाभ देने के लिए जल्द ही पुन: सर्वे कराया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि, बागवानी और मसाला उत्पादन के लिए मशहूर निमाड़ क्षेत्र में सभी प्रकार की फसलों का बीमा कराने और इस क्षेत्र में शीघ्र ही रीजनल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित करने की बात कही।

स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट पर नोएडा अथॉरिटी को मिला आखिरी मौका, SC ने दी निर्माण कार्य फिर शुरू करने की अनुमति

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा स्पोर्ट्स सिटी के विकास से जुड़ी रुकी पड़ीं परियोजनाओं के संबंध में अपने निर्देशों का पालन करने के लिए न्यू ओखला इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथारिटी (नोएडा अथारिटी) को आखिरी मौका दिया है।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, एक आखिरी मौके के तौर पर इस कोर्ट द्वारा 24 नवंबर, 2025 और 15 जनवरी, 2026 को पारित पिछले आदेशों का पालन प्रतिवादी नोएडा को करना होगा।

नोएडा अथारिटी को क्या मिला निर्देश- 24 नवंबर के आदेश में शीर्ष अदालत ने लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शंस और उसके साझेदारों द्वारा विकसित की जा रही परियोजना के लिए संरचित पुनरुद्धार ढांचे को मंजूरी दी थी। कोर्ट ने लगभग तीन वर्ष बाद निर्माण कार्य फिर शुरू करने की अनुमति दी थी और नोएडा अथारिटी को निर्देश दिया था कि वह निर्धारित शर्तों का पालन करने पर 30 से 45 दिनों के भीतर डेवलपर पर से प्रतिबंध हटा ले।

उक्त ढांचे के तहत डेवलपर को मूल स्पोर्ट्स सिटी नीति का पालन सुनिश्चित करने के लिए अथारिटी द्वारा जांच के लिए 30 दिनों के भीतर संशोधित मास्टर प्लान जमा करना आवश्यक है।

स्पोर्ट्स सिटी परियोजना पर से हटाया प्रतिबंध- शीर्ष अदालत के हालिया आदेश के बाद नोएडा अथारिटी ने सेक्टर-150 में एससी-02 स्पोर्ट्स सिटी परियोजना पर से प्रतिबंध हटा लिया, जो उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी मिश्रित-उपयोग परियोजनाओं में से एक के पुनरुद्धार के अगले चरण का संकेत है। यह निर्णय अथारिटी की 221वीं बोर्ड बैठक में लिया गया। उक्त प्रतिबंध अथारिटी की 201वीं बोर्ड बैठक में जनवरी, 2021 में लगाया गया था।

सशर्त आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट की भी समीक्षा की निर्देश- बोर्ड ने स्पोर्ट्स सिटी एससी-02 के लिए जारी सशर्त आक्यूपेंसी सर्टिफिकेट की भी समीक्षा की और निर्देश दिया कि आगे सभी कदम शीर्ष अदालत के निर्देशों के अनुसार सख्ती से उठाए जाएं। नोएडा में सभी चार स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं में लगभग 20,000 खरीदार कब्जा मिलने या रजिस्ट्रेशन का इंतजार कर रहे हैं।

असम में जातीय उग्रवाद का अंत, शांति के लिए सरकार और 4 सशस्त्र समूहों के बीच समझौता

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम सरकार ने रविवार को तीन कुकी और एक हमार सशस्त्र समूहों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। दावा किया गया है कि इससे राज्य में जातीय उग्रवाद का अंत हो गया है।

चारों समूहों ने 2012 में तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री और मुख्यमंत्री की उपस्थिति में हथियार डाल दिए थे और संचालन निलंबन (एसओओ) पर हस्ताक्षर किए थे।

इन चारों समूहों ने डाले हथियार- समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले कुकी समूह हैं यूनाइटेड कुकीगम डिफेंस आर्मी (यूकेडीए), कुकी रिवोल्यूशनरी आर्मी (केआरए) और कुकी लिबरेशन आर्गनाइजेशन (केएलओ)/कुकी लिबरेशन आर्मी (केएलए)।

हमार पीपुल्स कन्वेंशन-डेमोक्रेटिक (एचपीसी-डी) ने भी सरकार के साथ अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर किए। त्रिपक्षीय वार्ता के कई दौर हुए, जिसके परिणामस्वरूप ये समझौते हुए।

मारे गए उग्रवादियों के परिवारों को मिलेगा मुआवजा- कुकी और हमार समूहों के साथ हुए दो समझौतों में उनके लोगों के लिए कल्याण और विकास परिषदों के गठन की परिकल्पना की गई है, जिनका मुख्यालय गुवाहाटी में होगा।

सरकार ने सशस्त्र समूहों को उनके कैडर के पुनर्वास और उग्रवाद के दौरान मारे गए उग्रवादियों के परिवारों को आर्थिक मुआवजा देने का भी आश्वासन दिया। बयान में कहा गया, इन दो समझौतों के साथ असम में जातीय उग्रवाद का अंत हो गया है।

रात भर स्टार्ट रही बाइक, धुएं के कारण एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत; आंध्र प्रदेश में दर्दनाक घटना

नई दिल्ली/ जीएनएस। आंध्र प्रदेश में घर के अंदर बाइक को रात भर स्टार्ट कर रखना एक परिवार को भारी पड़ गया। इससे निकलने वाले धुएं के कारण दम घुटने से परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, हेयर सैलून चलाने वाले मुरली ने शनिवार को मोटरसाइकिल की सर्विसिंग करवाई थी। इंजन में खराबी के कारण मैकेनिक ने पिस्टन बदल दिया। मैकेनिक ने उसे रात भर इंजन चालू रखने की सलाह दी थी।

कैसे हुई मौत- मुरली ने घर की सभी खिड़कियां बंद कर दीं और मोटरसाइकिल चालू छोड़ दी। मुरली और उसकी पत्नी रेवती छत पर सो गए, जबकि उसके पिता रामचंद्रैया, बेटा कार्तिक और जुड़वां बेटियां चरिता और चंदना घर में सो रहे थे। सभी दरवाजे और खिड़कियां बंद होने के कारण मोटरसाइकिल से निकला धुआं पूरे घर में भर गया। रविवार सुबह रामचंद्रैया, उनकी जुड़वां पोती चरिता और चंदना और पोता कार्तिक मृत पाए गए।

अब इंडस्ट्री को मिलेगी सस्ती बिजली, सरकार ने बदल दिए नियम; क्यों पड़ी इसकी जरूरत?

नई दिल्ली/ जीएनएस। उद्योगों को अपनी जरूरत के लिए सस्ती और भरोसेमंद बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने कैप्टिव पावर प्लांट (सीजीपी) से जुड़े नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। सरकार का कहना है कि इससे उद्योगों को खुद बिजली पैदा करने में अधिक सुविधा मिलेगी, लागत कम होगी और स्वच्छ ऊर्जा में निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

बिजली (संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित करते हुए बिजली कानून, 2005 के नियम-3 में संशोधन किया है। नए नियमों में

स्वामित्व की परिभाषा को स्पष्ट किया गया है। इसके तहत अब किसी कंपनी की सहायक कंपनी, होल्डिंग कंपनी या उसी समूह की अन्य कंपनियों को भी स्वामित्व संरचना में शामिल माना जाएगा। इससे कॉरपोरेट समूहों द्वारा स्थापित बिजली परियोजनाओं को कैप्टिव का दर्जा मिलने में आसानी होगी।

बिजली मंत्रालय का कहना है कि इन संशोधनों से उद्योगों के लिए कारोबार सुगमता बढ़ेगी, नियमों में स्पष्टता आएगी और ज्यादा कंपनियां बिजली बनाने के लिए प्रोत्साहित होंगी। नये नियम का एक प्रमुख उद्देश्य यह भी है कि कंपनियां और उद्योग अपने उपभोग के लिए जहां तक संभव हो बगैर किसी दिक्कत के बिजली पैदा करे।

सदन ने राजनीतिक कुकृत्य अस्वीकार किया, बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने पर पीएम मोदी ने लिखा पत्र

नई दिल्ली/ जीएनएस। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध कांग्रेस द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न सिर्फ बिरला के व्यवहार और कार्य की सराहना की, बल्कि विपक्ष को भी आड़े हाथों लिया है।

लोकसभा अध्यक्ष को लिखे गए पत्र में पीएम मोदी ने कहा- लोकसभा में आपके विरुद्ध लाया गया अविश्वास प्रस्ताव सदन में खारिज हो गया। जिस प्रकार सदन ने स्पष्ट रूप से इस राजनीतिक कुकृत्य को अस्वीकार किया, इसके लिए मैं सदन के सदस्यों को भी बधाई देता हूं।

पीएम ने स्पष्ट कहा कि लोकतांत्रिक विचारों में आस्था रखने वाले देश के हर नागरिक ने यह महसूस

किया कि आपके विरुद्ध लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के पीछे निजी स्वार्थ और अहंकार की भावना कार्य कर रही थी। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रविवार को लिख गए पत्र में अविश्वास प्रस्ताव गिरने के बाद ओम बिरला के दिए वक्तव्य की सराहना की गई।

पीएम ने लिखा- आपने जिस संतुलन, धैर्य और स्पष्टता के साथ संसदीय इतिहास, अध्यक्ष के दायित्व और नियमों की सर्वोच्चता का उल्लेख किया, वह अत्यंत प्रभावशाली है। आपका वक्तव्य केवल उस क्षण का उत्तर नहीं है, बल्कि भारतीय संसदीय परंपरा और लोकतांत्रिक मर्यादा की एक गहरी और सधी हुई व्याख्या भी है।

कांग्रेस पर साधा निशाना- पीएम मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष को लोकतांत्रिक परंपराओं, नियमों और संस्थागत गरिमा का संरक्षक बताते हुए लिखा कि आपने अपने वक्तव्य में जिस स्पष्टता के साथ कहा कि इस सदन में कोई भी नियमों से ऊपर नहीं है, वह हमारे लोकतंत्र की मूल भावना को पुन: स्थापित करने वाला संदेश है। असहमति और असम्मान के बीच स्पष्ट अंतर का तर्क रखते हुए उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि कभी-कभी राजनीतिक असहमति संसदीय मर्यादा के प्रति अनादर में बदलती दिखाई देती है।

बिरला के संयम, संतुलन और निष्पक्षता की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन इस पद पर थीं, तब भी हमने देखा था कि कुछ सदस्यों का व्यवहार अपेक्षित गरिमा के अनुरूप नहीं था। उस समय भी अनेक अवसरों पर आसन के प्रति अनावश्यक कटुता और असम्मान देखने को मिला था।

5 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का एलान, 9 और 23 अप्रैल को मतदान; 4 मई को परिणाम

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के पांच राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का एलान कर दिया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इन सीटों पर मतदान दो चरणों में होगा, जबकि सभी सीटों की मतगणना 4 मई को की जाएगी।

उन्होंने बताया कि गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा की पांच सीटों पर 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं गुजरात और महाराष्ट्र की तीन सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि सभी आठ सीटों पर उपचुनाव इसलिए कराए जा रहे हैं क्योंकि वहां के मौजूदा विधायकों का निधन हो गया था।

किन सीटों पर होगा उपचुनाव- गोवा की पोंडा विधानसभा सीट पर उपचुनाव कराया जाएगा।

कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे साउथ विधानसभा सीट पर भी मतदान होगा।

इंदौर और जबलपुर की तर्ज पर प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में बनेंगे 'गीता भवन' : मुख्यमंत्री

100 निकायों में भूमि उपलब्ध, 4 शहरों में ब्राउनफील्ड प्रोजेक्ट्स को मिली मंजूरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर और जबलपुर की तर्ज पर प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में गीता भवन बनाएँ जा रहे हैं। गीता भवन के माध्यम से दार्शनिक वातावरण निर्मित करने का प्रयास है। इन केन्द्रों में युवा पीढ़ी को गीता के निष्काम कर्म और भारतीय मूल्यों से जोड़ने और शोधार्थियों के लिए विशेष संसाधन उपलब्ध कराना गीता भवन का मुख्य उद्देश्य है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को विस्तार देने के लिए गीता भवन परियोजना को अब वृहद स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। प्रदेश के सभी 413 शहरों में गीता भवन निर्माण की योजना के लिए 5 वर्षीय कार्ययोजना के वर्ष 2026-27 के लिए 60 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में भारतीय दर्शन, कला और साहित्यिक विमर्श के लिए एक आधुनिक अवसंरचना तैयार करना है। इंदौर और जबलपुर में निर्मित गीता भवन की सफलता को आधार मानते हुए अब इस मॉडल को पूरे प्रदेश में लागू किया जा रहा है।

4 शहरों में प्रोजेक्ट्स स्वीकृत, 100 निकायों में भूमि चिन्हांकित- योजना के क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति करते हुए विभाग ने चार प्रमुख शहरों में ब्राउनफील्ड (Brownfield) प्रोजेक्ट्स को तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इनमें रीवा (5 करोड़ रुपये), छिंदवाड़ा (2.5 करोड़ रुपये), कटनी (2.4 करोड़ रुपये) तथा खंडवा (2 करोड़ रुपये) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 6 नगर निगमों सहित 100 नगर पालिकाओं में ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है, जिनकी डीपीआर को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शेष 313 नगरीय निकायों में भी भूमि का चिन्हांकन कर लिया गया है और जिला कलेक्टरों के माध्यम से आवंटन की प्रक्रिया प्रचलन में है।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होंगे सांस्कृतिक केंद्र- प्रत्येक गीता भवन को एक बहुउद्देश्यीय केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके प्रमुख घटकों में अत्याधुनिक ऑडिटोरियम- वृहद स्तर पर सांस्कृतिक एवं वैचारिक आयोजनों के लिये ज्ञान का केंद्र- ज्ञानार्जन के लिए समृद्ध लाइब्रेरी एवं हाई-टेक ई-लाइब्रेरी। व्यावसायिक एवं जन-सुविधाएं- कैफेटेरिया और विशेष रूप से पुस्तकों एवं आध्यात्मिक सामग्री के लिए समर्पित विक्रय केंद्र शामिल हैं।

अग्निवीर सेना भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। इच्छुक अभ्यर्थी एक अप्रैल 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती संबंधी विस्तृत जानकारी एवं अधिसूचना भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर उपलब्ध है। इस भर्ती के अंतर्गत अग्निवीर (पुरुष) जनरल ड्यूटी, एसकेटी, टेक्निकल, ट्रेड्समैन (8वीं एवं 10वीं), महिला सेना पुलिस तथा स्थाई पदों के लिए नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेट एवं सिपाही फार्मा के पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। बताया गया कि इस बार सेना भर्ती में आयु सीमा में एक वर्ष की वृद्धि की गई है। अग्निवीर पदों के लिए एक जुलाई 2005 से एक जुलाई 2009 के बीच जन्मे युवा आवेदन कर सकेंगे, जबकि स्थाई पदों के लिए एक जुलाई 2004 से एक जुलाई 2009 के बीच जन्मे अभ्यर्थी पंजीयन के पात्र होंगे। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर दें। भर्ती से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए अभ्यर्थी सेना भर्ती कार्यालय महू के दूरभाष क्रमांक 7648815570 पर संपर्क कर सकते हैं।

इंदौर में अचल संपत्ति के बाजार मूल्य निर्धारण प्रस्ताव 16 से 21 मार्च तक आमजन के अवलोकन हेतु उपलब्ध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठ जिला पंजीयक सुश्री मंजूलता पटेल ने बताया कि मार्गदर्शिका वर्ष 2026-27 हेतु अचल संपत्ति के बाजार मूल्य निर्धारण हेतु जिला मूल्यांकन समिति जिला इन्दौर की गत दिवस आयोजित बैठक में अनुमोदित किये गये प्रस्ताव आमजन के अवलोकन / सुझाव हेतु वरिष्ठ जिला पंजीयक / जिला पंजीयक कार्यालय, जिला इन्दौर-1, 2, 3, 4, वरिष्ठ उप पंजीयक कार्यालय, उप जिला इन्दौर 1, 2, 3 एवं 4 तथा तहसील मुख्यालय डॉ. अम्बेडकर नगर (महू)/सांवेर/देपालपुर में 16 मार्च 2026 से 21 मार्च 2026 को शाम 6 बजे तक खुले रखे जाएंगें। आमजन उक्त प्रस्तावों पर अपने सुझाव 16 मार्च 2026 की शाम 6 बजे तक संबंधित कार्यालयों में जमा कर सकते हैं।

नेशनल लोक अदालत में इंदौर नगर निगम का रिकॉर्ड, एक दिन में 103 करोड़ से अधिक राजस्व जमा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में नगर निगम इंदौर द्वारा स्वच्छता के साथ-साथ राजस्व वसूली के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। हाल ही में आयोजित नेशनल लोक अदालत में नगर निगम इंदौर ने एक ही दिन में 103 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व जमा कर नया रिकॉर्ड बनाया है। यह उपलब्धि प्रदेश की सभी नगरीय निकायों में सर्वोच्च रही है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल और राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में शहर में विकास कार्यों के साथ हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी क्रम में आयोजित नेशनल लोक अदालत के दौरान शासन द्वारा दी जा रही छूट योजनाओं का लाभ उठाते हुए नगर निगम इंदौर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और एक दिन में सबसे अधिक राजस्व जमा होने का रिकॉर्ड कायम किया। जानकारी के अनुसार नेशनल लोक अदालत के दौरान 16,759 करदाताओं ने संपत्ति कर सरचार्ज में दी गई छूट का लाभ लेते हुए 99.28 करोड़ रुपये जमा किए, जबकि 5,276 जलकर उपभोक्ताओं ने सरचार्ज में छूट का लाभ लेते हुए 3.83 करोड़ रुपये जलकर के रूप में जमा कराए।

भागीरथपुरा के मृतकों की अस्थियां कांग्रेसी ले गए प्रयागराज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दूषित पानी से मृत लोगों की अस्थियां विसर्जित करने के लिए कांग्रेस नेता प्रयागराज लेकर रवाना हुए हैं। शनिवार को बस्ती में कांग्रेस नेता मुकेश यादव ने एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी शामिल हुए। ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चार के बीच अस्थियों की पूजा की, जिसके बाद कांग्रेस नेता बस्ती से रवाना हुए।

पूजन के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भागीरथपुरा बस्ती मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र का हिस्सा है। नगर निगम की लापरवाही के कारण बस्ती में दूषित पानी की सप्लाई हुई और 36 लोगों की मौत हो गई। अपनी लापरवाही मानने के बजाय मंत्री विजयवर्गीय विधानसभा के सदन में बस्ती का अपमान करते रहे। उन्होंने बस्तीवालों को अशिक्षित बताया और बस्ती की तुलना मुंबई की धारावी बस्ती से की। पटवारी ने यह भी कहा कि नगर निगम अपने कर्मचारियों की मौत पर 30 लाख रुपये से ज्यादा की राशि देता है, लेकिन दूषित पानी से भागीरथपुरा बस्ती में जिन लोगों की मौत हुई, उनके परिजनों को सिर्फ दो-दो लाख रुपये दिए गए। आखिर यह भेदभाव क्यों किया गया? उन्होंने कहा कि अभी भी बस्ती में समस्याएं काफी हैं और अब भाजपा के जनप्रतिनिधि बस्ती में नहीं आ रहे हैं।

भागीरथपुरा में दूषित पानी से डायरिया फैला था, जिस कारण जिन लोगों की मौत हुई उनमें से कई की अस्थियां परिजन पहले ही नर्मदा नदी में विसर्जित करके आ चुके हैं। आपको बता दें कि भागीरथपुरा में ढाई माह पहले दूषित पानी के कारण डेढ़ हजार से ज्यादा लोग बीमार हो गए थे। उनमें से साढ़े चार सौ लोगों को अस्पताल में भर्ती किया गया था।

घरेलू गैस सिलेंडर समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर मुख्य सचिव खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने घरेलू उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर समय पर उपलब्ध कराने तथा एजेंसियों के माध्यम से वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने भी अधिकारियों को प्रतिदिन समीक्षा के निर्देश दिए हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार ने प्रेस ब्रीफ जारी कर नागरिकों से पैनिक बुकिंग नही करने का अनुरोध किया है। मंत्रालय द्वारा जारी एडवाइजरी में एजेंसी पर जाकर बुकिंग करने के स्थान पर डिजिटल माध्यम से बुकिंग करने की सलाह दी गयी है। ऑयल कंपनियों द्वारा मोबाइल एप, एसएमएस, व्हाट्सएप तथा आईवीआरएस कॉल द्वारा गैस बुकिंग की सुविधा प्रदान की गयी है। अत-उपभोक्ता बुकिंग के लिए इन डिजिटल माध्यम का प्रयोग करें ।

देश में घरेलू गैस के उत्पादन में 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । इसके अलावा स्ट्रैट ऑफ़ हॉर्मुज से एलपीजी के दो शिप भारत के लिए रवाना हो गए हैं, जो 16-1। मार्च तक भारत के कांडला (गुजरात) और मुंद्रा पोर्ट (मुंबई) पर पहुँच जायेंगे।

1357 सिलेंडर जप्त- एलपीजी की कालाबाजारी तथा जमाखोरी के विरूद्ध जारी निर्देशों के पालन में प्रदेश भर में लगातार कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में 1025 स्थानों पर कार्यवाही कर 1357 सिलेंडर जब्त किये गए तथा 08 प्रकरण में एफआईआर की गयी। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, पीएनजी तथा घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता के सम्बन्ध में ऑयल कंपनियों से समन्वय के लिए राज्य स्तर पर 6 सदस्यीय समिति भी गठित की गयी है, जो प्रदेश में कामर्शियल और घरेलू गैस सिलेंडर की सुचारू आपूर्ति बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी करेगी।

पीएनजी गैस का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं से अपील की गयी है कि वह अनावश्यक रूप से एलपीजी गैस बुकिंग नहीं करें। पेट्रोल, डीजल ,घरेलू पीएनजी तथा सीएनजी की पर्याप्त उपलब्धता है और इनकी आपूर्ति भी निरंतर एवं बिना कटौती के जारी रहेगी।

गैस एजेंसियों के संचालन, सिलेंडर वितरण की समयबद्धता और उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों की स्थिति की भी समीक्षा की जा रही है। समस्त जिला कलेक्टर को निर्देश दिए गए है कि यदि कहीं वितरण व्यवस्था में अनियमितता या विलंब की शिकायत मिलती है, तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाए और उपभोक्ताओं को समय पर गैस उपलब्ध कराई जाए। जिला प्रशासन गलत सूचनाओं का प्रसार और अफवाहों को सख्ती से रोकें और उपभोक्ताओं तक मीडिया के माध्यम से सही सूचना पहुंचाएं। नागरिकों के बीच सकारात्मक माहौल बनाए और सूचना-तंत्र मजबूत कर अवैध जमाखोरी और कालाबाजारी के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करें।

ऑयल कंपनी के स्टेट नोडल ऑफिसर श्री अजय श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में गैस सिलेण्डर का पर्याप्त स्टॉक है तथा प्रदेश के 11 बॉटलिंग प्लांट एवं वितरकों के गोदाम में पर्याप्त सिलेण्डर उपलब्ध हैं। घरेलू उपभोक्ताओं से अपील की गयी है कि विगत अंतिम रिफिल के 25 दिन बाद पुनः बुकिंग करायें।

प्रशासन द्वारा वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध स्टॉक का विवेकपूर्ण उपयोग करने एवं वैकल्पिक ईंधन स्रोतों को अपनाने की सलाह भी दी गयी है। जहां पीएनजी लाइन उपलब्ध है वहां पीएनजी के कनेक्शन लेने और जिन कामो में गैस ज्यादा खर्च होती है उनको नियंत्रित करने एवं विकल्प तैयार करने के लिए प्रेरित किया जाए।

प्रदेश में घरेलू गैस की पर्याप्त आपूर्ति जारी है, उपभोक्ता अनावश्यक रूप से अफवाहों से भ्रमित न हों। देश की रिफायनरी उच्च क्षमता पर कार्य कर रही हैं तथा पश्चिम एशिया के अतिरिक्त अन्य स्थानों से भी कच्चे तेल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

सिलेण्डर बुकिंग संबंधित शिकायत / सुझाव हेतु इन टोल फ्री नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है :-

भारत गैस हेल्पलाइन नंबर - 1800-22-4344 (टोल फ्री)

इंडेन गैस कस्टमर केयर नंबर- 1800-2333-555 (टोल फ्री)

एचपी गैस कस्टमर केयर नंबर- 1800-2333-555 (टोल फ्री)

रविवार को भी खुली रहीं सभी गैस एजेंसियां, हजारों उपभोक्ताओं को मिली गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देश पर रविवार को भी इंदौर जिले की सभी गैस एजेंसियां खुली रहीं और उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी सुचारू रूप से की गई। अवकाश के दिन भी एजेंसियों के संचालन से उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग, रिफिल और अन्य समस्याओं के समाधान में बड़ी सुविधा मिली। अवकाश के दिन एक दिन में ही 24 हजार 450 घरेलू गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

ऑयल कंपनियों के अधिकारियों ने भी इस व्यवस्था को सफल बनाने में विशेष सहयोग दिया। हिंदुस्तान पेट्रोलियम की सेल्स ऑफिसर सुश्री अदिति वैष्णव, भारत पेट्रोलियम के श्री आर.के. सिंह, इंडियन ऑयल कंपनी की श्रीमती श्वेता मिश्रा, श्रीमती अंजली पांडे तथा श्री भारत भूषण ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए इंदौर जिले की 106 गैस एजेंसियों को प्लांट से पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए। इसके कारण उपभोक्ताओं को रिफिल प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई।

सभी गैस एजेंसी संचालकों ने कलेक्टर के निर्देशानुसार अपने कार्यालय प्रातः 9 बजे से खोलकर उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनीं, उनकी बुकिंग दर्ज की और पूरी क्षमता के साथ वाहनों के माध्यम से उपभोक्ताओं तक गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी की।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने भी प्रातः 9 बजे से फील्ड में रहकर गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया और एजेंसियों तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं का तत्काल निराकरण करते हुए होम डिलीवरी व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित कराने में सहयोग दिया।

रविवार को अवकाश के दिन भी इंदौर जिले में लगभग 24 हजार 450 उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी की गई, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। जिला प्रशासन ने बताया है कि आगामी दिनों में भी उपभोक्ताओं को उनकी बुकिंग के अनुसार तीन दिवस के भीतर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। जिले की सभी गैस एजेंसियों पर घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और प्लांट से भी प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति प्राप्त हो रही है।

आम उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। जिले में गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सभी उपभोक्ताओं को समय सीमा में उनकी बुकिंग के अनुसार गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा।

इंदौर के पालदा में भीषण आग... धू-धू कर जली 3 बसें, भयंकर आग से मिनटों में हुई खाक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के पालदा बस स्टैंड के समीप एक भीषण आगजनी की घटना सामने आई, जिसमें तीन बसें पूरी तरह जलकर खाक हो गई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। फिलहाल पुलिस आग लगने के सटीक कारणों की जांच कर रही है। एसीपी विजय चौधरी के अनुसार, यह घटना शनिवार रात करीब आठ बजे की है। बस ऑपरेटर ने पालदा बस स्टैंड के पास एक खाली मैदान में अपना यार्ड बना रखा है, जहां बसों को खड़ा किया जाता है। यार्ड की देखरेख के लिए एक चौकीदार भी तैनात किया गया है। चौकीदार ने फायर ब्रिगेड को बताया कि ये बसें पिछले करीब 20 दिनों से वहां खड़ी हुई थीं। चौकीदार के बयान के मुताबिक, सबसे पहले अचानक एक बस में आग लगी, जिसने देखते ही देखते पास खड़ी दो अन्य बसों को भी अपनी चपेट में ले लिया। जिन बसों में आग लगी, वे श्रीनाथ ट्रेवल्स, निधि ट्रेवल्स और देवा ट्रेवल्स की बताई जा रही हैं। इस अचानक हुई आगजनी से पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। घटना की गंभीरता और आग लगने के संदेहास्पद कारणों को देखते हुए पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। किसी भी तरह की साजिश की आशंका को ध्यान में रखते हुए जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट्स को भी मौके पर बुलाया गया है।

हेलमेट पहनें सुरक्षित रहें अभियान के तहत इंदौर ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई, 1742 वाहन चालकों पर जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और यातायात को सुगम, सुरक्षित व व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा हेलमेट पहनें-सुरक्षित रहें अभियान के तहत लगातार जागरूकता और सख्त कार्रवाई की जा रही है। अभियान के अंतर्गत बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक ही दिन में 1742 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आर.के. सिंह और पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) श्री राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा शहर में सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई भी की जा रही है। इसी क्रम में सड़क दुर्घटनाओं में सिर में लगने वाली गंभीर चोटों से होने वाली मौतों को रोकने और नागरिकों को हेलमेट के महत्व के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। शहर के प्रमुख चौराहों जैसे पलासिया, विजय नगर, महू नाका, चाणक्यपुरी, भंवरकुआ सहित अन्य स्थानों पर यातायात पुलिस द्वारा सघन चेकिंग की गई। अभियान के दौरान पुलिस एक ओर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी ओर अनाउंसमेंट के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए समझाया भी जा रहा है। पुलिस द्वारा नागरिकों को बताया जा रहा है कि हेलमेट पहनना केवल कानूनी बाध्यता नहीं बल्कि स्वयं और परिवार की सुरक्षा के लिए बेहद आवश्यक है। 14 मार्च को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कुल 1742 दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध बिना हेलमेट वाहन चलाने पर कार्रवाई की गई। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि लोग यातायात नियमों का पालन करें और सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले गंभीर नुकसान से बचा जा सके। इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट का उपयोग करें तथा जिम्मेदारीपूर्वक यातायात नियमों का पालन करें, क्योंकि सड़क पर सुरक्षा ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

खजराना थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई, गुमशुदा बालक 'रुद्र' को उत्तराखंड के कालीमठ मंदिर से सकुशल किया दस्तयाब

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गुमशुदा बालक- बालिकाओं के प्रकरणों को प्राथमिकता से लेते हुए उनकी सुरक्षित बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खजराना थाना पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए 15 वर्षीय गुमशुदा बालक 'रुद्र' को सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और लगातार की गई पतारसी के चलते बालक को उत्तराखंड के कालीमठ मंदिर क्षेत्र से सुरक्षित बरामद किया गया।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा शहर में गुमशुदा बालक- बालिकाओं के मामलों को गंभीरता से लेते हुए उनके शीघ्र पता लगाने और अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री कुमार प्रतीक तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-02 श्री अमरेन्द्र सिंह और सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मण्डलोई द्वारा थाना खजराना पुलिस को प्रभावी कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया।

इसी क्रम में थाना खजराना प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह सेंधव के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित कर गुमशुदा बच्चों की पतारसी के लिए लगातार असूचना संकलन और तलाश की जा रही है। इसी दौरान थाना खजराना में एक फरियादी ने सूचना दी कि उसका 15 वर्षीय नाबालिग पुत्र घर से बिना बताए कहीं चला गया है और आसपास व रिश्तेदारों के यहां तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। इस पर थाना खजराना में अपराध क्रमांक 202/26 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी द्वारा तत्काल एक विशेष टीम गठित कर बालक की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने सोशल मीडिया, वायरलेस सेट और अन्य माध्यमों से जानकारी प्रसारित की तथा सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साथ ही विभिन्न राज्यों के पुलिस थानों को भी सूचना भेजकर बालक की पतारसी शुरू की गई।

लगातार प्रयासों के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि गुमशुदा बालक उत्तरप्रदेश के वृंदावन क्षेत्र में देखा गया है। इस पर पुलिस टीम को तत्काल वृंदावन के लिए रवाना किया गया। वहां पहुंचने पर जानकारी मिली कि बालक उत्तराखंड के कालीमठ मंदिर क्षेत्र की ओर चला गया है। इसके बाद टीम ने तुरंत वहां पहुंचकर बालक को सुरक्षित दस्तयाब किया और इंदौर लाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अपने बेटे को सुरक्षित पाकर परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उन्होंने इंदौर पुलिस की त्वरित कार्रवाई तथा मेहनत की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी खजराना निरीक्षक मनोज सिंह सेंधव, उपनिरीक्षक अनिल गौतम, सहायक उपनिरीक्षक खेमराज जाटव, प्रधान आरक्षक मोहनलाल पाटीदार, पंकज सांवरिया, नरेश चौहान तथा आरक्षक शुभम सिंह, जबर सिंह धाकड़ और प्रदीप सूर्यवंशी की विशेष भूमिका रही।

इंदौर पुलिस की सघन कार्रवाई, सरप्राइज चेकिंग में शराबी वाहन चालकों, नशाखोरों और बदमाशों पर कड़ा प्रहार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध और असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। नवरात्रि और रमजान-ईद जैसे त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए पुलिस द्वारा सरप्राइज चेकिंग और सघन पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया, जिसमें शराब पीकर वाहन चलाने वाले लापरवाह चालकों, नशा करने वालों और अवैध गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) श्री अमित सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (क्राइम) श्री आर.के. सिंह के मार्गदर्शन में शहर के चारों जोन के

डीसीपी के नेतृत्व में 14 मार्च 2026 की शाम से देर रात तक सभी थाना क्षेत्रों में सघन चेकिंग और पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल ने गुंडे-बदमाशों और असामाजिक तत्वों की धरपकड़ के लिए कार्रवाई की।

अभियान के दौरान विभिन्न मामलों में वांछित 61 से अधिक गैर-जमानती वारंटों की तामील कराई गई, जिनमें लंबे समय से फरार 16 स्थाई वारंट और 45 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। पुलिस ने अवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 225 लापरवाह वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि शराब पीकर वाहन चलाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जा सके और सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

अभियान के दौरान अवैध हथियार लेकर घूम रहे दो बदमाशों को पकड़कर उनके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। वहीं अवैध शराब के विक्रय में लिप्त छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 111 से अधिक क्वार्टर अवैध देशी शराब और 24 बीयर की बोतलें जब्त कर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के सेवन के मामलों में भी तीन प्रकरण दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन करने वाले लोगों के खिलाफ पांच प्रकरण दर्ज किए गए।

युद्ध के कारण खाद संकट की आहट, समय रहते व्यवस्था नहीं हुई तो किसानों पर पड़ेगा गहरा असर-अशोक कुमठ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खाड़ी क्षेत्र में चल रहे युद्ध के कारण देश में ऊर्जा संसाधनों पर संकट गहराता दिखाई दे रहा है। रसोई गैस की संभावित कमी के बाद अब कृषि क्षेत्र में भी खाद संकट की आशंका जताई जाने लगी है। यदि समय रहते केंद्र और राज्य सरकारों ने वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की तो आगामी खरीफ सीजन में किसानों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

यह चिंता मंदसौर के पिपलियामंडी निवासी एवं फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली के सदस्य अशोक कुमठ ने खाद संकट और उसके निवारण विषय पर आयोजित एक ऑनलाइन कार्यशाला में व्यक्त की। कार्यशाला में देश में उर्वरकों की वर्तमान स्थिति, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण आपूर्ति पर पड़ रहे प्रभाव तथा इसके संभावित समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। कुमठ ने कहा कि खरीफ फसल की बुआई के समय सबसे अधिक उपयोग होने वाले उर्वरक यूरिया और डीएपी (डाई अमोनियम फॉस्फेट) की उपलब्धता आने वाले समय में प्रभावित हो सकती है। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध की स्थिति के कारण गैस की आपूर्ति बाधित हो रही है, जिसका सीधा असर उर्वरक उद्योग पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि देश के यूरिया उत्पादन संयंत्र प्राकृतिक गैस पर आधारित हैं। वर्तमान में गैस आपूर्ति में कमी आने के कारण कई संयंत्र अपनी पूरी क्षमता से उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं और औसतन लगभग 40 प्रतिशत कम उत्पादन हो रहा है। कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब जैसे देशों से गैस आयात लगभग ठप होने की स्थिति में पहुंच गया है, जिससे घरेलू उत्पादन पर गंभीर प्रभाव पड़ा है।

कुमठ ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत में प्रतिवर्ष लगभग चार सौ लाख मीट्रिक टन यूरिया की आवश्यकता होती है। इसमें से लगभग एक सौ लाख टन यूरिया का आयात किया जाता है। वर्तमान परिस्थितियों में जहां घरेलू उत्पादन कम हो रहा है, वहीं आयात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में आने वाले समय में किसानों को यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार के सामने बड़ी चुनौती बन सकता है। उन्होंने कहा कि इस संकट से निपटने के लिए सरकार को तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था पर काम करना चाहिए। देश की प्रमुख सहकारी उर्वरक कंपनियां इफको और कृभको का ओमान सरकार के साथ वहां एक संयुक्त यूरिया उत्पादन संयंत्र संचालित है। सरकार को तत्काल उस संयंत्र से यूरिया आपूर्ति के लिए अनुबंध कर देश में पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। बुआई के समय किसानों द्वारा उपयोग किया जाने वाला दूसरा प्रमुख उर्वरक डीएपी भी संकट की स्थिति की ओर बढ़ रहा है। देश में डीएपी की वार्षिक खपत लगभग एक सौ लाख टन है, जिसमें से लगभग आधी मात्रा विदेशों से आयात की जाती है। डीएपी के उत्पादन के लिए आवश्यक फॉस्फोरिक अम्ल भी विदेशों से ही आता है। कुमठ ने सुझाव देते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थिति में रूस ऐसा देश है, जहां से डीएपी का आयात किया जा सकता है। इसके लिए सरकार को शीघ्र कार्ययोजना बनानी चाहिए और यदि आयात में कंपनियों को घाटा होता है तो उसकी भरपाई अतिरिक्त सब्सिडी देकर की जानी चाहिए।

प्रशासन ने की चार भूसा के निर्यात पर कार्रवाई

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जिले में पशु चारा भूसा पशु आहार की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिले के बाहर पशु चारा निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया है। एसडीएम सुश्री प्रीति संघवी के निर्देशन में नीमच जिले के जावद तहसीलदार श्री नवीन गर्ग द्वारा मैलान खेड़ा से राजस्थान के बडोली घाटा ले जाते पशु चारे का परिवहन करते पाए जाने पर एक ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया गया है और अवैध रूप से बगैर अनुमति के पशुचारे का निर्यात करने पर प्रकरण दर्ज किया गया है। तहसीलदार श्री नवीन गर्ग ने बताया कि नयागांव टोल नाके से जप्त किए गए पशुचारे की ट्रैक्टर ट्राली को पुलिस चौकी नयागांव की अभिरक्षा में रखा गया है।

मनुष्य जीवन में सबसे महत्वपूर्ण समय उसका विद्यार्थी काल होता है.जंहा से वह अपने ओर देश के स्वर्णिम भविष्य की नींव रखता है-विधायक सखलेचा

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विद्यार्थी जीवन वास्तव में मनुष्य जीवन का सबसे अनमोल , स्वर्णिम ओर आधारभूत काल होता है, यह वह समय है जब चरित्र निर्माण ज्ञानार्जन, ओर भविष्य की नींव रखी जाती है, जिससे आने वाला जीवन सफल और अनुशासित बनता है।

यह काल सीखने , संस्कार गढ़ने ओर बिना किसी पारिवारिक या सामाजिक जिम्मेदारी स्यंम के विकास पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करता है यह बात मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री व जावद विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने बोली वे शनिवार को सिंगोली स्थित वीरेन्द्र कुमार सखलेचा शासकीय महाविद्यालय में 5 करोड़ 62 लाख रुपये के विकास कार्यो का शिलान्यास व भूमिपूजन के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित नगर की जनता एवं छात्र छात्राओं को सम्बोधित कर रहे थे।

विधायक श्री सखलेचा ने बताया कि महाविद्यालय में प्रथम तल पर भवन ,प्रयोग शाला कक्ष ,लाइब्रेरी, बाउंड्रीवाल एवं अन्य नव निर्मित निर्माण के विस्तार से शैक्षणिक सुविधाओं को और सुदृढ़ व गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर शिक्षा का अवसर मिलेगा ।

विधायक श्री सखलेचा यह भी बताया कि मैं घोषणा नहीं करता हूं लेकिन आने वाले समय में यहां स्पोर्ट्स के लिए बहुत कुछ करने वाला हूं जिससे विद्यार्थियों को स्पोर्ट्स में देश दुनिया में पहचान मिले।

श्री सखलेचा ने बताया कि मेरा संकल्प है कि जावद विधानसभा के हर विद्यार्थी को आधुनिक संसाधन , प्रेरक वातावरण और उत्कृष्ट अधोसरंचना मिले जिससे वह आत्मविश्वास के साथ अपने सपनो को साकार कर सके

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री अशोक विक्रम सोनी, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश बगड़ा व कालेज प्राचार्य श्री मिश्रा ने भी अपने विचार रखे ।

कार्यक्रम के दौरान अशोक विक्रम सोनी, सुरेश बगड़ा मोतीलाल धाकड़, सांसद प्रतिनिधि गोपाल धाकड़, नगर भाजपा अध्यक्ष लोकेश पटवा, मंडल महामंत्री पारस कुमार जैन,ओंकारलाल एवं भाजपा युवा मोर्चा जिला मंत्री राकेश जोशी धाकड़ आदि मंचासीन रहे।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में समस्त भाजपा के पदाधिकारी पार्षद सरपंच पंच सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे कार्यक्रम का सफल संचालन शासकीय कन्या हायसेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य राजेन्द्र जोशी ने किया कार्यक्रम के अंत में दिगंबर जैन समाज द्वारा 2 अप्रैल से 7 अप्रैल तक आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव की पत्रिका का विमोचन विधायक सखलेचा द्वारा किया गया। इस दौरान जैन समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

ओवरस्पीड कार अनियंत्रित होकर पलटी, पीछे चल रही कार के कैमरे में कैद हुआ हादसे का वीडियो

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बोतलगंज के समीप राजमार्ग पर रविवार दोपहर तेज रफ्तार के कारण एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चालक को मामूली चोटें आई हैं। घटना का पूरा दृश्य पीछे चल रही बस के लगे सीसीटीवी कैमरे कैमरे में कैद हो गया, जिसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर लगभग 3 बजे महू-नीमच मार्ग पर बोतलगंज के समीप एक कार (एमपी 43 सीबी 0920) तेज गति से नीमच की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक ने सामने चल रहे वाहन को ओवरटेक करने का प्रयास किया। बताया जा रहा है कि वाहन की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया और कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा पलटी। वाहन पलटते ही सड़क पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और आसपास के लोग मदद के लिए मौके पर पहुंच गए। हादसे के समय कार में केवल चालक ही सवार था।

दुर्घटना में वेदांत (21) पिता हेमंत, निवासी नीमच को हल्की चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार तेज गति में होने के कारण संतुलन बिगड़ते ही एक ओर झुक गई और पलटते हुए सड़क किनारे जा गिरी। हालांकि वाहन में सवार युवक की जान बाल-बाल बच गई। घटना का पूरा दृश्य पीछे से आ रही एक बस के आगे लगे कैमरे में रिकॉर्ड हो गया।

बाद में यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया, जिसे लोग तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरे के उदाहरण के रूप में साझा कर रहे हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही नजदीकी बही टोल प्लाजा से एम्बुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची।

एम्बुलेंस कर्मचारियों ने घायल युवक को प्राथमिक उपचार देने के बाद आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है और उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि महू-नीमच राष्ट्रीय राजमार्ग पर कई वाहन चालक निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाते हैं, जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

उन्होंने प्रशासन से मार्ग पर गति नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग भी की है। पिपलियामंडी टीआई विक्रमसिंह इवने ने भी वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक और निर्धारित गति सीमा का पालन करते हुए वाहन चलाने की अपील की है, ताकि इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

गैस एजेंसी में उपभोक्ता ने जताई संतुष्टि, बुकिंग के अगले दिन मिला सिलेंडर

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में गैस वितरण व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा किए जा रहे निरीक्षण और मॉनिटरिंग के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। गैस एजेंसी पर पहुंचे उपभोक्ता अरहान ने बताया कि उसने ऑनलाइन गैस सिलेंडर की बुकिंग कल की थी और आज ही उसे सिलेंडर प्राप्त हो गया। बाजना गैस एजेंसी पर पहुंचे अरहान ने बताया कि सिलेंडर प्राप्त करने में उसे किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। एजेंसी परिसर में उपभोक्ताओं के लिए पेयजल तथा बैठने एवं छाया की उचित व्यवस्था भी उपलब्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि वह आज पुनः एजेंसी आया है और इस बार अपने बड़े पापा के लिए गैस बुकिंग करवाने आया है। उपभोक्ता ने गैस एजेंसी की व्यवस्था पर संतुष्टि जताते हुए सेवा को सराहनीय बताया। आलोट निवासी दिनेश त्रिवेदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने रात 11 बजे फोन पे से गैस सिलेंडर बुक किया और सुबह डिलेवरी मिल गई । आमजन अफवाहों से बचे। आलोट निवासी मनीष व्यास ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि गैस की सर्विस बहुत अच्छी हैं।

जब समाज एकजुट होकर कार्य करेगा तो हर लक्ष्य आसानी से हासिल हो सकेगा-प्रदेश अध्यक्ष परशुराम सिसोदिया

चंद्रवंशीय बागरी समाज की प्रदेशस्तरीय बैठक संपन्न, संगठन विस्तार, समाज की जनगणना और राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने पर हुआ विचार-विमर्श

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन, नरसिंह घाट स्थित चंद्रवंशीय बागरी समाज धर्मशाला में अखिल भारतीय चंद्रवंशीय बागरी समाज द्वारा प्रदेश स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से समाज के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित हुए। बैठक से पहले प्रदेश अध्यक्ष परशुराम सिसोदिया के नेतृत्व में राधा-कृष्ण मंदिर में माल्यार्पण कर पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात औपचारिक रूप से बैठक की शुरुआत हुई।

बागरी युवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र बागरी ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में समाज को संगठित और मजबूत बनाने के विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान सामाजिक संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करने, राष्ट्रीय स्तर पर केवल एक सशक्त सामाजिक संगठन बनाए जाने, तथा जिलेवार बागरी समाज की जनगणना कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही समाज की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने और युवाओं को संगठन से जोड़ने पर भी चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि समाज को मजबूत करने के लिए गांव-गांव तक संगठन का विस्तार किया जाएगा। साथ ही आगामी समय में धार्मिक नगरी उज्जैन में बागरी समाज की भव्य रैली निकालने का भी प्रस्ताव रखा गया, जिससे समाज में एकता और संगठन को नई मजबूती मिल सके। बैठक का मुख्य उद्देश्य बागरी समाज को संगठित कर सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक स्तर पर सशक्त बनाना तथा समाज के लोगों को एक मंच पर जोड़कर उनके हितों की प्रभावी रूप से आवाज उठाना रहा। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष परशुराम सिसोदिया ने संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे मध्य प्रदेश से पदाधिकारी एकत्रित हुए हैं, इसी प्रकार पूरे प्रदेश में समाज को एकता के साथ काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब समाज एकजुट होकर कार्य करेगा तो हर लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सकेगा। युवाओं को समाज के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया और कहा कि आज के युवा सोशल मीडिया के माध्यम से भी समाज में एकता और जागरूकता का सकारात्मक संदेश दे सकते हैं। साथ ही उन्होंने धर्मशाला को लेकर नगर निगम द्वारा पूर्व में दिए गए नोटिस और उस पर की गई कार्रवाई को लेकर समाज में आक्रोश होने की बात कही। उन्होंने कहा कि शाम को नोटिस दिया गया और सुबह ही नगर निगम द्वारा कार्रवाई कर दी गई, जो पूरी तरह अनुचित है। इस मामले को लेकर समाज के लोग जल्द ही एकजुट होकर मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी हेमराज सिंह सुमन, शंभुलाल राजगुरु, प्रदेश पदाधिकारी राजेश तंवर, कमल चौहान, अमृत राम परमार, गंगाराम यादव, अमर सिंह परमार, नरेंद्र बागरी, राजू डाबी, कैलाश बोडाना, अरुण धोलिया, जगदीश पंवार, ब्रजेश बोडाना, दुर्गा प्रसाद बागरी, जगदीश परमार, दुर्गाशंकर बोडाना, मुकेश चंद्रवंशी, हरिराम उनखेड़ी, राय सिंह सोलंकी, घनश्याम चंद्रवंशी, मनमोहन सिंह सुमन, सुनील देपालपुर, संजय सोलंकी, बाबूलाल वर्मा, रमेश चंद्र गुजराती, मोहनलाल परमार, मुरली सोलंकी आदि सैकड़ों समाजजन उपस्थित थे।

गाँधीसागर जल विद्युत गृह का 418 करोड़ रुपये से नवीनीकरण, आधुनिकीकरण व क्षमता वृद्धि होगी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य सरकार द्वारा घोषित किसान कल्याण वर्ष 2026 में कई महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में गाँधीसागर जल विद्युत गृह की इकाइयों के नवीनीकरण, आधुनिकीकरण एवं क्षमता वृद्धि का कार्य 418 करोड़ रुपये की लागत से चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

गांधीसागर पावर जनरेशन से इंजीनियर अरुण यादव ने बताया कि गाँधीसागर जल विद्युत गृह की 5 बाई 23 मेगावाट क्षमता वाली इकाइयाँ पिछले 65 वर्षों से अधिक समय से निरंतर संचालन में हैं। वर्तमान तकनीकी मानकों के अनुरूप विद्युत उत्पादन प्रणाली को अधिक सक्षम और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से इन इकाइयों का व्यापक नवीनीकरण एवं उन्नयन किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत सभी जनरेटिंग इकाइयों में आधुनिक टरबाइन एवं जनरेटर का पूर्ण प्रतिस्थापन किया जाएगा। साथ ही उन्नत सुरक्षा, निगरानी एवं पर्यवेक्षण नियंत्रण प्रणाली से युक्त आधुनिक कंट्रोल पैनलों की स्थापना की जाएगी। विद्युत उत्पादन की विश्वसनीयता और ग्रिड स्थिरता को मजबूत करने के लिए स्विचयार्ड उपकरणों का उन्नयन एवं प्रतिस्थापन भी किया जाएगा। बेहतर संचालन नियंत्रण एवं दूरस्थ निगरानी के लिए आधुनिक ऑटोमेशन सुविधाएँ जोड़ी जाएंगी। इसके साथ ही परिचालन सुरक्षा तथा प्रभावी जल प्रबंधन सुनिश्चित करने हेतु आइसोलेशन गेट्स का उन्नयन किया जाएगा। बाढ़ से सुरक्षा और आपातकालीन स्थिति से निपटने की तैयारी को मजबूत करने के लिए उच्च क्षमता के डी-वॉटरिंग पंपों की स्थापना की जाएगी। दीर्घकालिक विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परियोजना में समस्त पाइपलाइन, पावर एवं कंट्रोल केबल, सिग्नल वायरिंग तथा अन्य सहायक प्रणालियों का व्यापक प्रतिस्थापन भी किया जाएगा। यह परियोजना चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित की जाएगी, जिसमें 2-2-1 इकाइयों को अलग-अलग चरणों में लिया जाएगा। प्रत्येक चरण में चयनित इकाइयों पर आरएम एंड यू कार्य किया जाएगा, जबकि शेष इकाइयाँ वर्तमान व्यवस्था के माध्यम से विद्युत उत्पादन जारी रखेंगी, जिससे विद्युत आपूर्ति में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित किया जा सके। परियोजना पूर्ण होने के बाद विद्युत गृह की कार्य क्षमता, सुरक्षा, विश्वसनीयता और सेवा आयु में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे क्षेत्र की विद्युत अवसंरचना और अधिक सुदृढ़ होगी। दीर्घकालिक और सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

रतलाम जिले में राजस्व अधिकारियों की निगरानी में गैस सिलेंडर वितरण सुचारु निर्बाध वितरण व्यवस्था के लिए सतत निगरानी

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के मार्गदर्शन में रतलाम जिले मे घरेलू गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था निर्बाध एवं सुचारू रूप से संचालित करने के लिए राजस्व अधिकारियों द्वारा सतत भ्रमण कर निगरानी रखी जा रही है । प्रशासन द्वारा जिले में घरेलू गैस वितरण व्यवस्था की निगरानी के तहत विभिन्न गैस एजेंसियों का निरीक्षण कर अपनी निगरानी में गैस सिलेन्डर का वितरण करवाया जा रहा है ।

तहसील ताल क्षेत्र में एचपी गैस एजेंसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय एजेंसी में ऑनलाइन बुकिंग अनुसार डिलीवरी बॉय द्वारा 127 सिलेंडर उपभोक्ताओं को वितरित किए जा चुके थे। फिजिकल एवं पोर्टल का मिलान किया गया, जो सही पाया गया। एजेंसी पर पेयजल व्यवस्था उपलब्ध है। इंडेन गैस एजेंसी पलास (तहसील रतलाम ग्रामीण) का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पर्याप्त संख्या में घरेलू गैस सिलेंडर उपलब्ध थे। एजेंसी में 12 ड्यू लिस्ट पाई गई। इंडेन गैस एजेंसी पलास में सभी बुकिंग ऑनलाइन माध्यम से की जा रही हैं। बुकिंग के बाद 3 से 4 दिन के भीतर उपभोक्ताओं को घर पहुंच सेवा के माध्यम से सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। अंशुल गैस एजेंसी रतलाम, रावटी गैस एजेंसी, रिंगनोद गैस एजेंसी, रूमी गैस एजेंसी रतलाम, अंकित गैस एजेंसी रतलाम, बांगरोद इंडेन ग्रामीण वितरक एजेंसी, गर्ग गैस एजेंसी पिपलोदा तथा सिद्धि विनायक गैस एजेंसी जावरा का भी राजस्व अधिकारियों, डीएसओ एवं जेएसओ द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एजेंसियों को शासन के निर्देशों का पालन करने हेतु पाबंद किया गया।

दशपुर कुंज में बच्चों की रेलगाड़ी वर्षों से बंद, इसे नपा बजट में शामिल कर शुरू करवाएं-विजयेन्द्र फांफरिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में छोटे बच्चों के मनोरंजन के लिए साधनों की बेहद कमी है। मंदसौर नगर पालिका विकास के कार्य तो लगातार कर रही है, लेकिन दशपुर कुंज में बच्चों की रेलगाड़ी का संचालन जब से बंद हुआ, तब से पुन- इसका संचालन शुरू नहीं हो पाया है। आज के आधुनिक मोबाईल युग में बच्चों को अपना बचपन जीने के लिए फिर से ऐसे साधनों की आवश्यकता है जिसके नगर पालिका पूर्ण कर सकती है।

उक्त बात कहते हुए विभिन्न सामाजिक और पत्रकार संगठनों से जुडे युवा प्रेस क्लब के संयुक्त सचिव विजयेन्द्र फांफरिया ने बताया कि पहले नगर के दशपुर कुंज में बच्चों की रेलगाड़ी चला करती थी, जिसका आनंद सभी बच्चों द्वारा भरपूर लिया जाता था, लेकिन कई वर्षों पूर्व इसका संचालन पूरी तरह से बंद कर दिया गया। जिसके बाद इसके पुन- इसके संचालन पर नगर पालिका द्वारा विचार नहीं किया गया। आज के समय में बच्चों के मनोरंजन के लिए कोई साधन मंदसौर में नहीं है। दशपुर कुंज के बगीचे में जब रेलगाड़ी चला करती थी, तब बच्चों में उसकों लेकर अपार उत्साह रहता था माता पिता भी उत्साह के साथ अपने बच्चों को लेकर बगीचे जाते थे और रेलगाड़ी में बैठाते थे। समय के साथ उस रेलगाड़ी को अपडेट होना था। जॉय ट्रेन या अन्य प्रकार की बच्चों की रेलगाड़ी का संचालन मंदसौर में होना था, लेकिन दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं हो सका। बच्चों के लिए अच्छे मनोरंजन के साधन नहीं होने के कारण नगर के मुख्य बगीचों पहले की तरह लोगों की आवाजाही में भी अभाव नजर आया है। पूर्व में नगर पालिका के बजट में लगातार अप्पू घर के लिए बजट रखा जाता था, लेकिन कभी इस पर विचार नहीं किया गया। वर्तमान में मंदसौर में कई स्थान है जैसे तैलिया तालाब, अटल सागर बांध, रेवास देवाड रोड वाला बगीचा, दशपुर कुंज ऐसे कई संभावित स्थान है, जहां पर नगर पालिका द्वारा कम बजट में छोटा सा ही अप्पू घर प्लान किया जा सकता है। नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर से मांग है कि नगर के बच्चों को अपना बचपन लौटायें और यह पीढी मोबाईल से बाहर निकले और माता पिता भी उत्साह के साथ ऐसे स्थान पर अपने बच्चों को ले जायें। ऐसे संभावित स्थान पर नगर पालिका द्वारा मिक्की माउस या अन्य झूले भी प्लान कर सकती है यह मंदसौर नगर पालिका की मंदसौर को बडी सौगात होगी।

एथेनॉल कम आने के विवाद में ड्राइवर से मारपीट, पेट्रोल पंप संचालक सहित तीन के खिलाफ मामला दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एथेनॉल कम आने के विवाद को लेकर टैंकर चालक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने पेट्रोल पंप संचालक सहित तीन लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद घायल चालक ने थाने पहुंचकर पूरी घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रीवा निवासी भूपेन्द्रसिंह पिता गंगासिंह राजपूत ने पिपलियामंडी थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह पिछले करीब डेढ़ महीने से पिपलिया मंडी निवासी आर्यन अग्रवाल के टैंकर पर चालक के रूप में कार्य कर रहा है और कंपनी के निर्देशानुसार विभिन्न स्थानों से एथेनॉल का परिवहन करता है। भूपेन्द्र सिंह के अनुसार 4 मार्च 2026 को वह नागपुर से ट्रक में एथेनॉल भरकर इंदौर पहुंचा था। इसके बाद 13 मार्च 2026 को उसने इंदौर स्थित डिपो में एथेनॉल खाली कर दिया और इसकी सूचना कंपनी के प्रबंधक प्राण को दे दी। एथेनॉल खाली करने के बाद वह ट्रक को इंदौर की एक पार्किंग में खड़ा कर उसी में आराम कर रहा था। भूपेन्द्रसिंह ने बताया कि 14 मार्च की सुबह करीब 5 बजे कंपनी का कर्मचारी शुभम सैनी उसके पास आया और कहा कि उसे दूसरी गाड़ी पर शिफ्ट किया जा रहा है। इसके बाद वह अपना सामान लेकर शुभम सैनी के साथ कार में बैठ गया। दोनों वहां से पिपलिया मंडी स्थित आर्यन अग्रवाल के पेट्रोल पंप पर पहुंचे, जहां सुबह करीब 11 बजे आर्यन अग्रवाल और उसके बड़े भाई ने चालक से पूछताछ शुरू की। चालक के अनुसार दोनों ने उस पर आरोप लगाया कि उसने ट्रक से 900 लीटर एथेनॉल निकालकर बेच दिया है, जिससे कंपनी को नुकसान हुआ है और इसके बदले उसे 90 हजार रुपये देने होंगे। ड्राइवर ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि उसने एथेनॉल नहीं बेचा है और यदि किसी कारण से एथेनॉल कम निकला है तो कंपनी चाहे तो उसकी तनख्वाह से राशि काट सकती है, क्योंकि फिलहाल उसके पास इतनी राशि उपलब्ध नहीं है। चालक का आरोप है कि इस बात पर आर्यन अग्रवाल, उसके बड़े भाई और शुभम सैनी भड़क गए और चालक के साथ गाली-गलौज करने लगे। चालक द्वारा विरोध करने पर तीनों ने पेट्रोल पंप के कार्यालय में प्लास्टिक के पाइप से उसके साथ मारपीट की।

प्रार्थी का आरोप है कि आरोपियों ने मारपीट करते हुए पैसे नहीं देने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी। मारपीट में चालक की पीठ, दोनों पैरों की जांघों और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। घटना के बाद किसी तरह वहां से निकलकर वह सीधे पिपलिया मंडी थाने पहुंचा और पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट दर्ज कराई। पिपलियामंडी टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया कि चालक की शिकायत के आधार पर आर्यन अग्रवाल, उसके बड़े भाई और शुभम सैनी के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

सम्पादकीय

भविष्य की दुनिया में सादगी का आख़री ठिकाना

भविष्य की कल्पना करते ही एक ऐसी दुनिया सामने आती है जहाँ जीवन का लगभग हर पहलू इंटरनेट से जुड़ा होगा। घर, सड़कें, स्कूल और अस्पताल–सब कुछ डिजिटल नेटवर्क के सहारे चलेगा। मनुष्य का दैनिक जीवन मानो एक विशाल स्क्रीन में सिमटता जाता दिखेगा। लेकिन इसी तेज़ और तकनीक से भरे भविष्य के बीच एक ऐसा गाँव भी होगा जो इस डिजिटल लहर से थोड़ी दूरी बनाए खड़ा होगा। यह गाँव इंटरनेट के बिना भी उतना ही जीवंत और सक्रिय रहेगा। यहाँ तकनीक की कमी को अभाव नहीं, बल्कि एक सोच-समझकर लिया गया निर्णय माना जाएगा। यह स्थान आधुनिक सभ्यता के बीच एक शांत द्वीप जैसा होगा, जहाँ मनुष्य अपने मूल स्वभाव के करीब लौटकर जीवन को बिना कृत्रिम शोर के सच्चाई से महसूस कर सकेगा।

इस गाँव की सुबह आधुनिक शहरों से बिल्कुल अलग होगी। यहाँ दिन की शुरुआत मोबाइल अलार्म या सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन से नहीं, बल्कि प्रकृति के सहज संगीत से होगी। सूरज की पहली किरण खेतों पर पड़ते ही धरती की नमी से उठती सुगंध वातावरण को भर देगी। पक्षियों की चहचहाहट लोगों को जगाएगी और ठंडी हवा दिन का स्वागत करेगी। लोग जागते ही किसी स्क्रीन की ओर नहीं झुकेंगे, बल्कि खुले आकाश को निहारेंगे। किसान मौसम का हाल किसी डिजिटल ऐप से नहीं, बल्कि बादलों की चाल, हवा की दिशा और मिट्टी के स्पर्श से समझेंगे। बच्चों की सुबह भी अलग होगी; वे स्कूल जाते समय रास्ते में खेलते हुए, पेड़ों की छाया में हँसते हुए आगे बढ़ेंगे। उनके हाथों में मोबाइल नहीं, बल्कि किताबें, कापियाँ और अनगिनत जिज्ञासाएँ होंगी।

इस गाँव का सामाजिक जीवन मानवीय संवाद की सच्ची गर्माहट से भरा होगा। यहाँ बातचीत किसी चैट विंडो में टाइप किए गए शब्दों से नहीं, बल्कि आमने-सामने की मुस्कान और आँखों की चमक से होगी। शाम ढलते ही लोग अपने-अपने काम से लौटकर चौपाल या आँगन में एकत्रित होंगे। वहाँ दिन भर की घटनाएँ साझा की जाएँगी, हँसी-मजाक होगा और कभी-कभी गंभीर चर्चा भी।

बुज़ुर्गों का अनुभव इस समाज की सबसे बड़ी धरोहर होगा। बच्चे उनके पास बैठकर लोककथाएँ सुनेंगे, जीवन के छोटे-छोटे सूत्र सीखेंगे और अपने अतीत से जुड़ाव महसूस करेंगे। यहाँ ज्ञान किसी सर्वर में बंद नहीं होगा, बल्कि लोगों की स्मृतियों, अनुभवों और परंपराओं में जीवित रहेगा।

आर्थिक दृष्टि से भी यह गाँव आत्मनिर्भरता की मिसाल बनेगा। इंटरनेट के अभाव में यहाँ ऑनलाइन बाज़ार नहीं होगा, लेकिन स्थानीय कारीगरों और किसानों की मेहनत से गाँव की ज़रूरतें पूरी होंगी। कुम्हार के चाक पर घूमती मिट्टी से सुंदर बर्तन बनेंगे, बुनकर के करघे से रंगीन कपड़े निकलेंगे और किसान की मेहनत से खेतों में अन्न की हरियाली लहराएगी। लोग अपने आसपास के लोगों से वस्तुएँ खरीदेंगे और इस लेन-देन में केवल पैसा ही नहीं, बल्कि विश्वास और अपनापन भी शामिल होगा। इस तरह यह गाँव एक ऐसे आर्थिक ढाँचे को जन्म देगा जहाँ स्थानीयता और सहयोग सबसे बड़े मूल्य होंगे।

प्रकृति इस गाँव के जीवन का केंद्र होगी। जब लोग स्क्रीन की कृत्रिम रोशनी से दूर होंगे, तब उन्हें प्रकृति की सूक्ष्म सुंदरता को देखने का समय मिलेगा। वे रात के आकाश में तारों की अनगिनत कतारों को पहचानेंगे और चाँद के बदलते आकार में समय का प्रवाह महसूस करेंगे। नदी का शांत बहाव उन्हें धैर्य और निरंतरता का पाठ पढ़ाएगा, जबकि पेड़ों की छाया उन्हें संतुलन और शांति का महत्व समझाएगी। यहाँ प्रकृति केवल देखने की चीज़ नहीं होगी, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शिक्षक होगी। इंटरनेट की अनुपस्थिति में भी ज्ञान का प्रकाश कम नहीं होगा, क्योंकि प्रकृति स्वयं एक विशाल पुस्तक की तरह सबके सामने खुली होगी।

इस गाँव का सांस्कृतिक जीवन भी अत्यंत समृद्ध होगा। यहाँ त्योहार केवल औपचारिक आयोजन नहीं होंगे, बल्कि सामूहिक उल्लास और परंपरा का जीवंत रूप होंगे। जब किसी घर में शादी होगी तो पूरा गाँव उसकी तैयारी में शामिल होगा। मेलों और उत्सवों में लोकगीत गूँजेंगे, नृत्य होगा और लोगों के बीच आपसी स्नेह का वातावरण बनेगा। यहाँ मनोरंजन किसी स्क्रीन पर चलने वाले कार्यक्रमों से नहीं, बल्कि सामूहिक अनुभवों से मिलेगा। लोग मिलकर गाएँगे, कहानियाँ सुनाएँगे और जीवन की छोटी-छोटी खुशियों का आनंद लेंगे। इस वातावरण में अकेलापन कम होगा, क्योंकि हर व्यक्ति खुद को समुदाय का अभिन्न हिस्सा महसूस करेगा।

फिर भी यह गाँव अज्ञान या पिछड़ेपन का प्रतीक नहीं होगा। यहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की महत्ता को पूरी तरह समझा जाएगा। लोग नई खोजों और विचारों के प्रति खुले रहेंगे, लेकिन वे यह भी समझेंगे कि तकनीक का उद्देश्य जीवन को सरल बनाना है, उसे नियंत्रित करना नहीं। इसलिए इस गाँव के लोग अपने जीवन में एक संतुलन बनाए रखेंगे। वे यह स्वीकार करेंगे कि इंटरनेट एक उपयोगी साधन हो सकता है, परंतु जब वही साधन मनुष्य के समय, ध्यान और मानसिक शांति को छीनने लगे, तब उससे दूरी बनाना भी बुद्धिमानी है।

आंतरिक सौंदर्य हमारे चरित्र और जीवन को सुंदर बना देता है

गुरु सुकरात दिखने में सुंदर नहीं थे। एक दिन वे आईना हाथ में ले कर चेहरे को निहार रहे थे। तभी उनका शिष्य वहाँ आया और अपने गुरु को आईना देखते देखकर उसे अजीब सा लगने लगा। वह कुछ बोला नहीं बस मुस्कुराने लगा। गुरु सुकरात अपने शिष्य के मुस्कुराहट का अर्थ समझ गये। और, अपने शिष्य को समझाते हुये बोले, मैं तुम्हारे मुस्कुराने का अर्थ समझ गया। तुम सोच रहे होगे कि मुझ जैसा कुरुप व्यक्ति अपने को आईने में क्यों देख रहा है। जानते हो मैं आईना क्यों देखता हूँ। नहीं शिष्य का जवाब था। सुकरात मुस्कुराते हुए बोले, मैं कुरुप हूँ इसीलिए आईना देखता हूँ क्योंकि आईना देखने पर मुझे कुरुपता का आभास होता है और मैं प्रयास करता हूँ कि कुछ ऐसा अच्छा काम करुं जिससे मेरी कुरुपता ढक जाये। शिष्य को यह बात बहुत प्रेरणास्पद लगी। एक और संशय से शिष्य ने पूछा, सुंदर लोग भी तो आईना देखते हैं। वो तो अपना ऊपरी सौंदर्य ही देखते हैं। गुरु सुकरात बोले कि वे भी आईना देखकर अपने सौंदर्य पर गर्व करते हैं, अच्छी बात है। पर, साथ ही यह प्रयास भी करना चाहिए कि अपने अंदर के सौंदर्य को भी बढ़ाये ताकि ऊपर का सौंदर्य सदा बरकरार रहे व और निखरे। शिष्य को गुरु की बात समझ में आ गई और वह गुरु के आगे नतमस्तक हो गया।

अंदर के सौंदर्य को हम गुरुवर की तरह आईने में नहीं देख सकते हैं। हमें स्वयं को बंद आंखों से देखना होगा। आत्मनिरीक्षण करना होगा। प्रयास करना होगा कि मन? और भाव की सुंदरता को बढ़ाये ताकि आंतरिक सौंदर्य की खुशबू औरों तक पहुंचे और उन्हें भी सुंदर बनने की प्रेरणा मिले। इसके लिए सरल मार्ग है सहज योग का मार्ग जिसके माध्यम से स्वयं की बुराइयों से मुक्ति पाकर अंदर के गुणों को? विकसित करने की तकनीक हम सीखते हैं। हमारे अंदर के सूक्ष्म शरीर, नाड़ियों और चक्रों के बारे में जानते हैं और उनसे हमारे जीवन में होने वाले उत्थान से भिज्ञ होते हैं।

ध्यान के फायदे अनेक हैं प्रेम, क्षमाशीलता, संतोष, कलात्मकता, निर्भयता और नम्रता जैसे गुण स्वयंमेव ही हमारे अंदर स्थापित होने लगते हैं। हमें यह पता ही है कि ऊपरी सौंदर्य स्थायी नहीं होता पर आंतरिक सौंदर्य हमारे चरित्र और जीवन को सुंदर बना देता है। कहते हैं ना मन चंगा तो कठौती में गंगा तो चलिये गुरु सुकरात की तरह आत्मनिरिक्षण करने की कला सीखते हैं, जुड़ते हैं सहज योग से।

मेंस्ट्रुअल लीव सुप्रीम कोर्ट का फैसला और वैश्विक परिप्रेक्ष्य

हाल ही में, यानी कि 13 मार्च 2026 को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने पूरे देश में कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के लिए पीरियड लीव (मासिक धर्म अवकाश) को अनिवार्य करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। दरअसल,भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह बात कही है कि इस तरह की नीति को कानूनी रूप से अनिवार्य बनाने के कुछ नकारात्मक परिणाम भी हो सकते हैं।

वास्तव में इस क्रम में अदालत ने यह स्पष्ट किया है कि यदि इस प्रकार का प्रावधान कानून के रूप में लागू किया गया, तो कई नियोक्ता महिलाओं को रोजगार देने से ही हिचक सकते हैं, जिससे उनके करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट ने पेड पीरियड लीव को अनिवार्य बनाने की मांग वाली याचिका सुनने से ही इंकार कर दिया और इस मुद्दे पर व्यावहारिक चिंताओं को सामने रखा। यहां पाठकों को बताता चलूं कि सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में यह मांग की गई थी कि देशभर में कामकाजी महिलाओं और छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाली शारीरिक परेशानियों को देखते हुए हर महीने कुछ दिनों का अवकाश दिया जाए। याचिका में यह तर्क दिया गया कि गर्भावस्था के लिए तो अवकाश का प्रावधान किया गया है, लेकिन मासिक धर्म से जुड़ी तकलीफों के लिए कोई सार्वभौमिक व्यवस्था नहीं है।

साथ ही, यह भी कहा गया कि कुछ राज्यों और कई निजी कंपनियों में महीने में दो दिन के %पीरियड लीव का प्रावधान किया गया है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट सभी राज्यों को ऐसे नियम बनाने का निर्देश दे। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एम. आर. शमशाद ने यह भी बताया कि केरल सरकार ने स्कूलों में इस प्रकार की व्यवस्था लागू की है और देश की कई निजी कंपनियाँ भी स्वेच्छा से पेड पीरियड लीव दे रही हैं।मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यदि कोई कंपनी अपनी इच्छा से पीरियड्स के दौरान छुट्टी दे रही है तो यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन जैसे ही इसे कानून के रूप में सख्ती से लागू किया जाएगा, उसके दूसरे पहलुओं पर भी विचार करना होगा। अदालत ने आशंका व्यक्त की कि ऐसा प्रावधान अनिवार्य होने पर संभव है कि नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से बचने लगें। इससे महिलाओं को सरकारी नौकरियों, न्यायपालिका या अन्य पेशों में अवसर मिलने में कठिनाई हो सकती है और उनका करियर प्रभावित हो सकता है।

अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि कई बार ऐसी याचिकाएँ एक तरह का डर पैदा करती हैं और यह संदेश देती हैं कि जैसे मासिक धर्म महिलाओं के साथ होने वाली कोई नकारात्मक या असाधारण घटना है। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने यह कहा है कि महिलाओं को इतना कमजोर नहीं समझना चाहिए। उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा कि इस प्रकार की मांग कार्यस्थल पर महिलाओं के विकास और उनकी परिपक्वता को लेकर गलत मानसिकता भी पैदा कर सकती है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि याचिकाकर्ता पहले ही अपनी मांग महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के समक्ष रख चुके हैं, इसलिए सरकार सभी हितधारकों से चर्चा कर इस विषय पर कोई नीति बनाने पर विचार कर सकती है। अदालत ने संबंधित प्राधिकरणों को यह सुझाव दिया कि वे इस अभ्यावेदन पर विचार करें और विभिन्न पक्षों से परामर्श करके नीति का प्रारूप तैयार करें। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने भी कहा कि विचार अच्छा हो सकता है, लेकिन नियोक्ताओं के पक्ष को भी ध्यान में रखना आवश्यक है, क्योंकि उन्हें पेड लीव देने की जिम्मेदारी भी उठानी पड़ेगी। वास्तव में, इस पूरे मुद्दे पर समाज और महिलाओं के बीच भी अलग-अलग मत सामने आए हैं। कई महिलाओं का मानना है कि उन्होंने दशकों के संघर्ष के बाद कार्यस्थल पर बराबरी का अधिकार प्राप्त किया है।

ऐसे में विशेष अवकाश की अनिवार्यता उन्हें पुरुषों की तुलना में कमजोर या कम सक्षम दिखा सकती है। कॉर्पोरेट संस्कृति में अक्सर उपलब्धता को सफलता का पैमाना माना जाता है, इसलिए महीने में निश्चित छुट्टी लेने वाली महिला को महत्वपूर्ण परियोजनाओं या नेतृत्व की भूमिकाओं से बाहर रखा जा सकता है। कुछ महिलाओं का यह भी मानना है कि अनिवार्य पीरियड लीव के कारण कई संस्थान महिलाओं के बजाय पुरुषों को अधिक प्राथमिकता देने लगेंगे, जिससे कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी कम हो सकती है। उनका यह भी कहना है कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है और इसे कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। कई महिलाएँ सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय का स्वागत भी कर रही हैं।वहीं दूसरी ओर कुछ महिलाओं का यह मानना है कि इस विषय में एक संतुलित या मध्य मार्ग होना चाहिए। उनके अनुसार पीरियड लीव को अनिवार्य बनाने के बजाय वर्क फ्रॉम होम या फ्लेक्सिबल वर्किंग आवर्स का विकल्प दिया जाना चाहिए। इससे महिला का काम भी प्रभावित नहीं होगा और उसे कार्यालय के तनावपूर्ण वातावरण से राहत भी मिल सकेगी।

उनका यह भी मानना है कि इस प्रकार की व्यवस्था से महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा और उनकी पेशेवर गरिमा भी बनी रहेगी। दरअसल कई महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान दर्द, ऐंठन, मतली और माइग्रेन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में लगातार काम करना उनके लिए मानसिक और शारीरिक रूप से अत्यंत कठिन हो सकता है। इसलिए कुछ महिलाओं का कहना है कि पीरियड लीव का उद्देश्य भले ही नेक और संवेदनशील है, लेकिन इसे लागू करने का तरीका ऐसा होना चाहिए, जिससे महिलाओं की व्यावसायिक गरिमा और नौकरी की सुरक्षा पर कोई आंच न आए।बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि विश्व के कई देशों में पीरियड लीव (मासिक धर्म अवकाश) को लेकर विभिन्न प्रकार के प्रावधान मौजूद हैं, हालांकि इसकी व्यवस्था हर देश में एक जैसी नहीं है। गौरतलब है कि कुछ देशों ने इसे श्रम कानून का हिस्सा बनाया है। जबकि कुछ स्थानों पर इसे कुछ कंपनियों या संस्थानों द्वारा अपनी इंटरनल पालिसी के रूप में लागू किया गया है।उदाहरण के लिए नाइके और भारत की कंपनी जौमेटो ने भी महिला कर्मचारियों के लिए पीरियड लीव की नीति लागू की है। यहां यदि हम देशों की बात करें तो जापान में वर्ष 1947 से ही महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान अवकाश लेने का अधिकार दिया गया है। यदि किसी महिला कर्मचारी को पीरियड के दौरान काम करने में कठिनाई होती है, तो वह छुट्टी ले सकती है, हालांकि यह छुट्टी वेतन सहित होगी या नहीं, यह कंपनी की नीति पर निर्भर करता है। इसी प्रकार दक्षिण कोरिया में महिला कर्मचारियों को हर महीने एक दिन की मेंस्ट्रुअल लीव का अधिकार प्राप्त है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इंडोनेशिया के श्रम कानून में भी महिलाओं को मासिक धर्म के पहले दो दिनों में अवकाश लेने की अनुमति दी गई है।

इतना ही नहीं, अफ्रीकी देश जांबिया में मदर्स डे लीव के नाम से हर महीने एक दिन की पीरियड लीव दी जाती है, जिसके लिए चिकित्सकीय प्रमाणपत्र की आवश्यकता भी नहीं होती। हाल के वर्षों में स्पेन ने भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वर्ष 2023 में पेड पीरियड लीव को कानूनी मान्यता प्रदान की, जिससे गंभीर मासिक धर्म पीड़ा से पीड़ित महिलाएं चिकित्सकीय सलाह के आधार पर अवकाश ले सकती हैं। बहरहाल, यहां कहना ग़लत नहीं होगा कि इस प्रकार से वैश्विक स्तर पर पीरियड लीव को लेकर एकरूपता नहीं है, लेकिन मासिक धर्म से जुड़ी स्वास्थ्य और गरिमा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न देशों और संस्थानों में इसके प्रति जागरूकता और नीतिगत पहल लगातार बढ़ रही है। अंत में यहां पर निष्कर्ष के तौर पर यही कहना चाहूंगा कि पीरियड लीव का मुद्दा केवल अवकाश देने या न देने का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह कार्यस्थल पर समानता, संवेदनशीलता और व्यावहारिकता के बीच संतुलन खोजने का विषय है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए यह संकेत दिया गया है कि किसी भी नीति को लागू करते समय उसके दूरगामी सामाजिक और आर्थिक प्रभावों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि महिलाओं को कमजोर मानकर विशेष प्रावधान बनाने के बजाय ऐसे समाधान तलाशे जाने चाहिए जो उनकी गरिमा, अवसरों की समानता और पेशेवर विकास को प्रभावित न करें।इस संदर्भ में कई महिलाओं की राय है कि अनिवार्य पीरियड लीव के बजाय फ्लेक्सिबल वर्किंग आवर्स या वर्क फ्रॉम होम जैसे विकल्प अधिक व्यावहारिक हो सकते हैं। इससे एक ओर महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाली शारीरिक असुविधा से कुछ राहत मिल सकती है, वहीं दूसरी ओर उनके करियर, आत्मविश्वास और पेशेवर अवसरों पर भी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसलिए आज के समय में आवश्यकता इस बात की है कि सरकार, संस्थान और समाज मिलकर ऐसा संतुलित और संवेदनशील मॉडल विकसित करें, जो महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान और कार्यस्थल पर समान अवसर-तीनों को साथ लेकर आगे बढ़े।

-सुनील कुमार महला

मुनाफाखोरी की बीमारी, दुस्साहस में नहीं आई कोई कमी

इस पर तनिक भी आश्चर्य नहीं कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध के चलते ऊर्जा आपूर्ति का संकट उभरते ही देश में रसोई गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू हो गई। यद्यपि सरकार ने इसे रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया, पर लगता नहीं कि इससे जमाखोरों और मुनाफाखोरों के दुस्साहस में कोई कमी आई है। इसका प्रमाण यह है कि उनके खिलाफ छापेमारी के दौरान कई शहरों में रसोई गैस सिलिंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी करने वाले पकड़े गए।

कई ने दर्जनों रसोई गैस सिलिंडर चोरी-छिपे जमा कर रखे थे। इनमें कुछ नेता और अन्य प्रभावशाली लोग भी हैं। इसी तरह उन मुनाफाखोरों की गिनती करना भी कठिन है, जो महंगे दामों पर रसोई गैस सिलिंडर बेच रहे थे। ऐसे तत्वों की सक्रियता का एक कारण संबंधित अधिकारियों और पुलिस की मिलीभगत भी होती है। वे भी बहती गंगा में हाथ धोने लगते हैं और इस तरह आम जनता एवं सरकार का संकट बढ़ाते हैं।

अपने देश में किसी भी संकट के समय आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और कालाबाजारी बहुत आम है। कोविड महामारी के समय जब सारा देश संकट में था, तब भी कुछ दवाओं के साथ कई आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी देखने को मिली थी। यह भी किसी से छिपा नहीं कि अपने यहां कभी प्याज, कभी उर्वरकों तो कभी किसी अन्य वस्तु की जमाखोरी होने लगती है। इसका मकसद मुनाफाखोरी करना ही होता है।

ऐसा लगता है कि कुछ लोग सदैव इसकी ताक में रहते हैं कि कब किसी वस्तु के उत्पादन अथवा उसकी आपूर्ति में कमी के आसार दिखें तो वे खुद को जमाखोर में तब्दील कर मुनाफाखोरी करें। आपदा को अपना धंधा बनाने वाले ऐसे लोग सभ्य समाज के शत्रु ही कहे जाएंगे। चूंकि नैतिकता और सदाचार की कमी के चलते जमाखोरी और कालाबाजारी एक सामाजिक बुराई का रूप ले चुकी है, इसलिए आवश्यक केवल यह नहीं कि रसोई गैस सिलिंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी कर रहे लोगों के खिलाफ सघन अभियान चलाया जाए, बल्कि यह भी है कि उन्हें कठोर दंड का भागीदार बनाया जाए। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों पर जुर्माना लगाने के साथ उन्हें तीन महीने से लेकर सात वर्ष तक की सजा देने का प्रविधान है, लेकिन आखिर कितने ऐसे मुनाफाखोर हैं।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

आर्थिक आपदा बनता युद्ध, विश्व की अर्थव्यवस्था के समक्ष खतरा

अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अनदेखी करते हुए ईरान पर जो हमला किया, वह अमेरिकी कानूनों के हिसाब से भी अवैधानिक है। इस युद्ध के कारण विश्व में गैस और तेल का जो संकट पैदा गया है, उसके समाधान का कोई उपाय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं दिखता। लगता है उन्होंने इस पर कोई विचार ही नहीं किया कि ईरान पर हमले और उसकी जवाबी कार्रवाई से पश्चिम एशिया से ऊर्जा आपूर्ति में जो बाधाएं खड़ी होंगी, उनसे कैसे निपटा जाएगा।

ईरान इजरायल के साथ खाड़ी के देशों में अमेरिकी सैनिक अड्डों पर भी हमले कर रहा है और उसने होर्मुज समुद्री मार्ग को भी बाधित कर रखा है, जहां से 20-30 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। ईरान ने होर्मुज मार्ग बंद करने और इस चेतावनी के बाद कि दुनिया 200 डालर प्रति बैरल तक तेल खरीदने के लिए तैयार रहे, यह कहा कि यहां से निकलने वाले जहाजों को हमारी नौसेना को सूचित करना होगा, लेकिन जब तक इस मार्ग से गैस और तेल की आपूर्ति निर्बाध ढंग से नहीं होने लगती, तब तक ऊर्जा संकट के समाधान को लेकर सुनिश्चित नहीं हुआ जा सकता।

चूंकि खाड़ी देश तेल-गैस की आपूर्ति होर्मुज से करते हैं, इसलिए वे ईरान के रवैये पर निर्भर हैं। स्वाभाविक रूप से भारत और चीन जैसे देशों को होर्मुज मार्ग बाधित होने से खासी परेशानी हो रही है, क्योंकि वे अपने ऊर्जा स्रोतों के लिए एक बड़ी हद तक खाड़ी के देशों पर आश्रित हैं। यह राहत की बात है कि भारतीय प्रधानमंत्री की ईरान के राष्ट्रपति और दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता के बाद ईरान ने संकेत दिए कि वह भारत के जहाजों को होर्मुज से आने देगा।

नई दिल्ली में ईरान के राजदूत ने भी भारत को मित्र देश बताते हुए ऐसे ही सकारात्मक संकेत दिए और दो भारतीय जहाजों को इस जल मार्ग से आने की इजाजत मिल भी गई, लेकिन यह अभी साफ नहीं कि भविष्य में सभी भारतीय जहाज होर्मुज से बिना किसी परेशानी के गुजरते रह सकते हैं या नहीं? खाड़ी के देशों में तेल और गैस का उत्पादन प्रभावित होने और वहां से उनकी आपूर्ति बाधित होते ही उनके दाम बढ़ने लगे हैं और पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था के समक्ष खतरा पैदा हो गया है। यह एक नई आर्थिक आपदा बन रहा है।

तेल, गैस, उर्वरकों पर निर्भर तमाम भारतीय उद्योगों के समक्ष भी संकट गहराने लगा है। कुछ तो बंद होने की कगार पर हैं या फिर अपना उत्पादन कम करने को विवश हैं। खाड़ी देशों से तेल और गैस की सप्लाई रुक जाने से भारत समेत विश्व भर में महंगाई बढ़ने के साथ ही बेरोजगारी पैदा होने का भी खतरा है। इस खतरे के लिए सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति ही उत्तरदायी हैं, जिन्होंने अपनी जिद और अहंकार में नतीजों की परवाह किए बिना इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया।

खाड़ी के देशों से तेल और गैस की आपूर्ति बाधित होने से देश में फिलहाल पेट्रोल और डीजल का संकट तो नहीं दिखाई दे रहा है, लेकिन रसोई गैस की किल्लत नजर आने लगी है। रेहड़ी वालों से लेकर रेस्त्रां और होटल तथा आम उपभोक्ता उसकी किल्लत बढ़ती देख रहे हैं। हालांकि पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी दावा कर रहे हैं कि तेल एवं गैस की कमी नहीं है, लेकिन जमाखोरों, कालाबाजारियों के कारण गैस का संकट खड़ा होता दिख रहा है। मुनाफाखोर इस संकट को अपने लिए एक अवसर के रूप में देख रहे हैं।

चूंकि गैस संकट पैदा होने का खतरा पैदा हो गया है, इसलिए आम लोग भी चिंतित हैं। इसका ही नतीजा है कि कई स्थानों पर रसोई गैस एजेंसियों के सामने लंबी-लंबी लाइनें दिख रही हैं। इससे लोग और अधिक आशंकित हो रहे हैं। विपक्षी दल इस आशंका को और हवा दे रहे हैं। हालांकि सरकार ने गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू कर दिया है और हालात पर निगरानी के लिए एक समिति गठित कर दी है, पर अभी इन कदमों का सकारात्मक असर नहीं दिख रहा है। यह तब तक नहीं दिखेगा, जब तक राज्य सरकारें गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्ती नहीं बरततीं। यह अच्छा हुआ कि सरकार ने राज्यों को पीडीएस के तहत अतिरिक्त केरोसिन जारी करने का फैसला किया।

ईरान पर और हमले की धमकियों के बीच अमेरिका ने भारत समेत अन्य देशों को रूस से तेल खरीदने पर अपनी आपत्ति हटा ली है। यह उसकी मजबूरी को ही दर्शाता है। भारत सरकार रूस से तेल खरीद बढ़ाने के साथ कुछ अन्य देशों से तेल-गैस खरीद के जतन कर रही है, पर जब तक ये सौदे हो नहीं जाते और तेल-गैस आपूर्ति का रास्ता साफ नहीं होता, तब तक राहत की सांस नहीं ली जा सकती। भारत उस वेनेजुएला से भी तेल खरीद रहा है, जहां बीते दिनों अमेरिका ने हमला कर वहां के राष्ट्रपति का अपहरण कर लिया था। निःसंदेह वेनेजुएला में तेल के सबसे अधिक भंडार हैं, पर उनसे तेल का दोहन कठिन है। इस तेल का शोधन भी आसान नहीं। अब इसमें संदेह नहीं कि अमेरिका ने जैसे वेनेजुएला पर बिना सोचे-समझे मनमाने तरीके से हमला किया, वैसे ही ईरान पर।

तेल संकट दूर करने के लिए इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने अपने इमरजेंसी स्टाक से 40 करोड़ बैरल तेल बाजार में जारी किया है, लेकिन इसके बाद भी तेल के दाम सौ डालर पार कर गए हैं। चूंकि ईरान जवाबी हमले करने में अभी भी समर्थ बना हुआ है, इसलिए कहना कठिन है कि युद्ध कब खत्म होगा। यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है और उसके चलते खाड़ी के देशों से तेल एवं गैस की आपूर्ति बाधित बनी रहती है तो विश्व में ऊर्जा संकट और गहराएगा। इस ऊर्जा संकट के लिए सबसे बड़ा दोषी अमेरिका ही होगा।

वह इस युद्ध को जल्द खत्म करने में सक्षम नहीं दिख रहा है। उसके अरबों डालर खर्च हो चुके हैं, पर युद्ध जल्द समाप्त होने के कोई संकेत नहीं। अमेरिका ने सोचा था कि अली खामेनेई को मार देने से ईरान में सत्ता परिवर्तन हो जाएगा, लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ होता नहीं दिखता। मुश्किल यह भी है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई युद्ध खत्म करने के लिए ऐसी शर्तें रख रहे हैं, जिन्हें न तो अमेरिका स्वीकार कर सकता है और न ही खाड़ी के देश।

-धनंजय राजौरा

ग्लोबल वार्मिंग नए तेवर में, धरती की उष्णता और तीव्रता से बढ़ेगी

ग्लोबल वार्मिंग या धरती की उष्णता की जब भी कहीं चर्चा होती है तो यह निश्चित तौर पर अमेरिका,इंग्लैंड और तमाम यूरोपीय देश जिसमें फ्रां,इटली,कनाडा इजरायल ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड तथा पश्चिम एशिया के धनवान देश में इस्तेमाल की जा रही ऊर्जा के कारण जहां वातानुकूलित मशीने, कल कारखाने, मोटर वाहन एवं अन्य ऐसी मशीने जिनसे कार्बन डाइऑक्साइड एवं दूषित हवा वायुमंडल में फैलती है ही बड़े जिम्मेदार होते हैं और इसका खामियाजा दक्षिण एशिया दक्षिण अफ्रीका और छोटे-छोटे देश को उठाना पड़ता है। ग्लोबल वार्मिंग के उपाय के लिए आयोजित बड़े-बड़े सम्मेलनों में यही बड़े देश अपनी जिम्मेदारी छोटे-छोटे देश पर डालकर निवृत्ति हो जाते हैं। जबकि सारा किया कराया इन्हीं देशों का होता है और छोटे-छोटे देश को इसके लिए नियमन पालन की जिम्मेदारी सौंप जाती है। भारत जैसे विकासशील देश में ही जहां गरीबी ने अपना परचम फैला रखा है। शहरों में पेट्रोल ,डीजल, केरोसिन से चलने वाली गाड़ियों और वातानुकूलित यंत्रों याने ए,सी की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होने से वातावरण में उष्णता बढ़ते जा रही हैद्य इसके अलावा वनों का विनाश एक भयानक समस्या के रूप में देश में फैलता जा रहा हैद्य अंधाधुंध फैक्ट्रियों एवं मशीनों के उपकरणों से निकलने वाले धुंए से वातावरण विषैला बनाकर मनुष्य और जीव जंतुओं का जीना दूभर कर दिया है। वनों की कटाई के साथ-साथ कंक्रीट के जंगल धीरे-धीरे गांव की तरफ बढ़ने लगे हैं, ऐसे में शुद्ध वायु और और तापमान में आश्चर्यजनक बदलाव जिसके परिणाम स्वरूप वर्षा ऋतु के परिवर्तन एवं बारिश में न्यूनता आने से धरती के तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसी के चलते देश के कई शहरों में तापमान 48 से 50 सेल्सियस होने के कारण पशु पक्षी एवं मनुष्य की हीट स्ट्रोक से मृत्यु हुई हो जाती है। पानी की कमी तथा शरीर में डिहाइड्रेशन से लोगों की तथा वन्य पशुओं की लगातार मृत्यु हो रही है।

ग्लोबल वार्मिंग का खतरा वैज्ञानिकों के अनुसार पूरे विश्व में बहुत बढ़ गया है और ऐतिहासिक तौर पर पिछले दो से तीन सौ वर्षों की तुलना की जाए तो बीते कुछ वर्षों में धरती का तापमान आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति से बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के पास ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए कुल मिलाकर 10 से 15 वर्ष ही शेष है। वैज्ञानिकों की यह बातें और रहस्योद्घाटन मानवता को डराने वाला जरूर है पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके उपायों की जो घोर अनदेखी की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय है। मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक भी है। ग्लोबल वार्मिंग न सिर्फ मनुष्य के लिए खतरा है बल्कि जीव-जंतुओं समुद्र मैं पाए जाने वाले जीवो के लिए भी यह अत्यंत विषैला तथा खतरनाक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार जीवाश्म ईंधन के दशक ने एवं जलने से ग्लोबल वार्मिंग का तापमान तेजी से बढ़ा है एवं पूरी पृथ्वी जीवाश्म ईंधन के जलने से तेजी से धड़क रही है। वैज्ञानिकों की चेतावनी तथा दिए गए प्रमाण के बाद भी अनेक देश जो कार्बन उत्सर्जन के बड़े जिम्मेदार हैं, जीवाश्म ईंधन की इस्तेमाल को कम करने या खत्म करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। जीवाश्म ईंधन की खपत खत्म होने की बात तो दूर है कम करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, और तो और इसके आसार भी निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रहे हैं। भारत को छोड़कर अन्य यूरोपीय देशों जिसमें अमेरिका ब्रिटेन के अलावा 32 देशों ने जो कार्बन उत्सर्जन एवं जीवाश्म ईंधन के उपयोग के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं, सम्मेलन कर इस पर चिंता जरूर जताई है पर इसमें स्पष्ट तौर पर अमेरिका, ब्रिटेन ,जापान चीन ,रूस की दादागिरी दिखाई देती है,यह छोटे गरीब देशों पर सारी जिम्मेदारी लादने का काम कर रहे हैं ।विश्व के कुल देशों में से लगभग 50 देश ऐसे हैं जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग कर पृथ्वी को धधकाने के कार्य का 60त्न तक हिस्सेदारी रखते हैं। लेकिन इन देशों को ग्लोबल वार्मिंग की चिंता की बजाए विकासशील देश एवं गरीब देशों पर पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर ग्लोबल वार्मिंग के नाम पर दोषारोपण कर के अपनी इतिश्री कर लेते हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण चिंतन जितने भी सम्मेलन हुए हैं इसमें बड़े देशों की नीति एवं दादागिरी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। चीन जो सबसे बड़ा कार्बन का उत्सर्जक देश है उसने पर्यावरण पर हुए सम्मेलनों में हिस्सेदारी तो दूर उसकी तरफ ध्यान देना भी उचित नहीं समझा। इंटरनेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी ने चेतावनी दी है कि धरती के तापमान की वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43त्न से 50त्न तक कटौती करनी होगी। 2010 से लेकर 2021 तक दुनिया का औसत वार्षिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन मानव इतिहास में सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है जो सर्वाधिक खतरे के निशान से भी ऊपर है। फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के वजह से होने वाली ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हमें अपने उत्सर्जन को लगभग शून्य पर लाना होगा, और इस कार्य के लिए पूरी दुनिया को ऊर्जा क्षेत्र में बड़े और कार्यकारी बदलाव लाने होंगे, इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के उपभोग में भारी कमी भी लानी पड़ेगी। विगत 3 वर्षों में अक्षय ऊर्जा स्रोतों में जैसे सौर एवं पवन ऊर्जा साथी स्टोरेज बैटरी की लागत में आश्चर्यजनक गिरावट आई है जो लगभग गैस तथा कोयले की कीमत के बराबर हो गए हैं।

कार्बन उत्सर्जन अभी 54त्न अधिक है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो दुनिया के सब अमीर देश अकेले विश्व के कुल गैस उत्सर्जन के लिए बड़े जिम्मेदार पाए गए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा है कि अगले आठ दस सालों में अपने गैस उत्सर्जन में कटौती को आधा यानी 50त्न से कम नहीं करती है तो वर्ष 2050 तक उसे शून्य स्तर पर लाना होगा, अगर ऐसा नहीं किया तो पृथ्वी को तबाह होने से कोई नहीं रोक सकता है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो भारत मोटे तौर पर ग्रीन हाउस गैसों के कुल वैश्विक उत्सर्जन में सहित 6.8 प्रतिशत का हिस्सेदार है। 1990 से लेकर 1920 तक भारत के ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में एक में 175त्न की बढ़ोतरी हुई है। 2013 से 2021 के बीच देश के प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की मात्रा 17 फ़ीसदी बढ़ी है, राहत की बात यह है कि अब भी भारत का उत्सर्जन स्तर जी-20 देशों के औसत स्तर से बहुत नीचे है।

-संजीव ठाकुर

योजनाओं का जमीन पर प्रभावी क्रियान्वयन ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता - केंद्रीय कृषि मंत्री

संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन कर प्रत्येक पात्र नागरिक को योजनाओं का लाभ दिलाये

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में खातेगांव में दिशा समिति की बैठक आयोजित हुई। दिशा बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने संसदीय क्षेत्र विदिशा अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र खातेगांव के विकास कार्यों एवं केन्द्रीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में खातेगांव विधायक श्री आशीष शर्मा, जिला अध्यक्ष श्री रायसिंह सेंधव, श्री भैरूलाल अटारिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह, एसपी श्री पुनीत गेहलोद, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती ज्योति शर्मा, डीएफओ श्री अमित सिंह, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन सहित अन्य जिला अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण(वीबी-जी रामजी), स्वच्छ भारत मिशन एसबीएम ग्रामीण 1.0 और 2.0, एनएचआई, जल जीवन मिशन, जल संसाधन, उर्जा, नगरीय प्रशासन, पशु पालन, लोक निमार्ण विभाग, महिला बाल विकास, स्वास्थ्य, कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं और पूर्व में सासंद निधि से स्वीकृत कार्यों की समीक्षा की।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की योजनाओं का लाभ पाने से वंचित न रहे। अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन और संचालन करें, ताकि आमजन तक उनका लाभ पहुंचाया जा सके। बैठक में जनप्रतिनिधियों द्वारा संज्ञान में लाये गए मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारियों द्वारा विभागीय प्रगति की विस्तार से जानकारी दी गई। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि सरकार का उद्देश्य हर गरीब व्यक्ति को स्वयं का पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। आवास योजना के लाभ से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे इस बात का विशेष ध्यान रखे। जिन व्यक्तियों के नाम छूट गए हैं, उनका पुनः सत्यापन कर लिया जाए।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि इस योजना का अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ दिया जाए, ताकि वे अपने स्वरोजगार को बढ़ाकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें। उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि इस योजना का क्रियान्यवन बहुत ही अच्छे ढंग से किया गया है। जिसके लिए मैं बधाई देता हूं। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने देवास जिले में नवाचार कर बनाई गई देवास बाल वाटिका की भी सराहना की। इस दौरान बताया गया कि जिले में पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधि एवं नागरिकों के सहयोग से बाल वाटिका का निर्माण किया जा रहा है।

हुनर को मिली उड़ानः दानिश कुंज में गूँजी सफलता की किलकारी

देवास भोपाल कॉरिडोर और पीपल ट्री फाउंडेशन ने संवारा महिलाओं का भविष्य

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डी बी सी पी एल द्वारा संचालित दानिश कुंज स्थित जी डी ए स्किल सेंटर में आज का दिन महज एक आयोजन नहीं, बल्कि कई सपनों के सच होने का साक्षी बना। देवास भोपाल कॉरिडोर प्राइवेट लिमिटेड (वर्टिस) ने अपनी सी एस आर पहल के तहत पीपल ट्री फाउंडेशन के सहयोग से महिला दिवस का उत्सव मनाया। इस दौरान न केवल प्रशिक्षण पूरा करने वाली महिलाओं को सर्टिफिकेट दिए गए, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए जॉब ऑफर लेटर भी सौंपे गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल ट्रैफिक थाना प्रभारी राम कुमार टेकाम, सूबेदार रवि परिहार की गरिमामयी उपस्थिति रही। पुलिस अधिकारियों ने प्रशिक्षुओं को भविष्य में निडर होकर आगे बढ़ने और समाज में अपनी पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। डी बी सी पी एल के प्रोजेक्ट हेड श्री अजय मिश्रा एवं सी एस आर - ए जी एम प्रियेश राठौड़ के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में जब महिलाओं ने अपने सेल्फ एक्सपीरियंस साझा किए, तो माहौल भावुक हो गया। कई प्रशिक्षुओं ने बताया कि कैसे इस स्किल सेंटर ने उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण जगाई है। कार्यक्रम की सफलता में पीपल ट्री फाउंडेशन की ओर से देवेंद्र शर्मा (स्टेट हेड), हिमांशु पटेल (सेंटर मैनेजर), अरुण वर्मा (प्लेसमेंट ऑफिसर, कल्पना भारतीय (काउंसलर), महक बोरालिया (ट्रेनर) और अभय पटेल (एम आई एस कोऑर्डिनेटर) सहित डी बी सी पी एल की सी एस आर टीम का विशेष योगदान रहा। जब एक महिला के हाथ में हुनर और नियुक्ति पत्र होता है, तो वह केवल एक नौकरी नहीं पाती, बल्कि पूरे परिवार का स्वाभिमान जगाती है। कुछ इसी प्रकार के भावना के साथ डी बी सी पी एल - सी एस आर मैनेजर ने अपना उद्बोधन देते हुए उपस्थित मेहमानों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर कलेक्ट्रेट में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा रविवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपभोक्ताओं को उपभोक्ता अधिकारों, शिकायत निवारण की प्रक्रिया, साइबर ठगी से बचाव तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच संबंधी जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी के माध्यम से उपभोक्ताओं को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े प्रावधानों, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा जिला उपभोक्ता फोरम में वाद दायर करने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही एलपीजी गैस सिलेंडर की बुकिंग एवं डिलीवरी व्यवस्था के बारे में भी उपभोक्ताओं को अवगत कराया गया। वक्ताओं ने उपभोक्ताओं को नवीन प्रकार के अपराधों, साइबर क्राइम, डिजिटल अरेस्ट तथा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के माध्यम से हो रही ठगी से सावधान रहने की सलाह देते हुए किसी भी संदिग्ध फोन कॉल या ऑनलाइन लेनदेन से पहले उसकी सत्यता की जांच करने की बात कही। कार्यक्रम में चलित वैन के माध्यम से खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। नाप-तौल विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग, गैस एजेंसियों, शासकीय उचित मूल्य की दुकानों, अवन्तिका गैस लिमिटेड तथा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका उपस्थित लोगों ने अवलोकन किया।

अवैध खनिज भण्डारण करते हुए 6 डंपर पकड़े

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान के निर्देशन में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन के विरूद्ध की जा रही है। कलेक्टर के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम ने रात के समय सिरोल हाइवे पर अवैध खनिजों का परिवहन करने वालों क खिलाफ कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान छह डंपरों को गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पकडा है। सभी डंपरों को सिरोल थाने में रखवाया गया है। जिले में अभी तक अवैध उत्खनन, परिवहन के 345 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनसे 6 करोड़ से अधिक की जुर्माना राशि वसूली गई है।

कलेक्टर श्रीमती रूचिका चौहान के निर्देश पर पूरे जिले में खनिज विभाग द्वारा लगातार अवैध उत्खनन, परिवहन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है। खनिज अधिकारी श्री घनश्याम यादव ने बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर शनिवार की रात सिरोल हाइवे पर चैकिंग पाइंट लगाया गया। इस दौरान वहां से गुजर रहे गिटटी से भरे 6 डंपरों को रोक कर उनके कागज चैक किए गए, किसी भी डंपर चालक के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले। जिसके चलते खनिज का अवैध परिवहन करने वाले सभी 6 डंपरों को मध्यप्रदेश गौंण अवैध खनिज परिवहन, उत्खनन, भंडारण नियम 2022 के तहत कार्रवाई की गई है। जप्त किए गए सभी डंपरों को सिरोल थाने की अभिरक्षा में रखवाया गया है।

बरोठा मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 का शुभारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को हाटपीपल्या विधानसभा के बरोठा मंडल में आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत पृथक पृथक रूप से बरोठा मंडल, शिप्रा मंडल एवं राजोदा मंडल के मंडल प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ किया गया तथा उपस्थितजनों को संबोधित किया। भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्वादी विचारधारा पर आधारित संगठन है, जो सुशासन, अंत्योदय और सर्वांगीण विकास को राष्ट निर्माण का मूल आधार मानती है।

हमारे कार्यकर्ताओं का समर्पण, सेवा और संगठन के प्रति निष्ठा ही पार्टी की सबसे बड़ी शक्ति है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की धारा पहुंचाने के संकल्प को साकार कर रही है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षण वर्ग संगठन को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक कार्यप्रणाली और जनसेवा के मूल मंत्रों को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ है और उसके समर्पण से ही पार्टी निरंतर आगे बढ़ रही है। हाटपीपल्या विधायक मनोज चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करता है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के सिद्धांत को आत्मसात करते हुए हमें समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करना है। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बहादुर मुकाती, नंदकिशोर पाटीदार, जिला महामंत्री मनीष सोलंकी, विजय सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष जगदीश चौधरी , रविंद्र सिंह, विश्वास उपाध्याय सहित भाजपा कार्यकर्ता बंधुओं की उपस्थिति रही। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

चैत्र नवरात्रि को लेकर सलकनपुर में सुनिश्चित की जा रही हैं सभी आवश्यक व्यवस्थाएं

एसडीईआरएफ द्वारा दुकानदारों को दिया गया फायर सेफ्टी का प्रशिक्षण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार आगामी 19 मार्च से प्रारंभ होने वाले चैत्र नवरात्रि पर्व के अवसर पर सलकनपुर स्थित विजयासन देवी मंदिर पर में आयोजित मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत प्रशासन एवं मंदिर समिति द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

इसी क्रम में एसडीईआरएफ के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा सलकनपुर के दुकानदारों के साथ बैठक कर उन्हें अग्नि सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान दुकानदारों को आग से बचाव के उपायों और आपात स्थिति में अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि मेला अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना को रोका जा सके और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा है कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं इस प्रकार सुनिश्चित की जाएं कि दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और वे सहज व सुव्यवस्थित ढंग से माता विजयासन देवी के दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर सकें।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत आज सोमवार को आयोजित होगा शिविर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास देवास जिले में ''संकल्प से समाधान अभियान के तहत केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं/सेवाओं का हितग्राहियों को हितलाभ वितरण करने के लिए 18 मार्च तक सभी विकासखण्डों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में क्लस्टर स्तर पर हितलाभ वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 16 मार्च सोमवार को विकासखण्ड बागली के ग्राम बरझाई तथा चापड़ा, विकासखण्ड सोनकच्छ के ग्राम सांवेर एवं कुलाला, विकासखण्ड कन्नौद के ग्राम डोकाकुई, विकासखण्ड खातेगांव के ग्राम दीपगांव में हितलाभ वितरण शिवर आयोजित किये जायेंगे।

'विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस' का अयोजन किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिला आपूर्ति अधिकारी देवास ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में विक्रमसिंह चौधरी द्वारा उपभोक्ता जागरूकता से संबंधित जानकारी दी गई। सहायक आपूर्ति अधिकारी बी.एस. राय द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के नवीन प्रावधानों एवं ई दाखिल के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में श्रीमती हीमाली सोनपाटनी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता के संबंध में उपभोक्ताओं को उपभोक्ता संरक्षण के अधिकारों से अवगत कराया गया। श्रीमती अनिता पाराशर द्वारा उपभोक्ताओं को उपभोक्ता आयोग में वाद दायर करने की प्रक्रिया से अवगत कराया गया तथा अजय दुबे द्वारा ऑनलाईन शॉपिंग में उपभोक्ताओं से कंपनियों द्वारा किस-किस तरीके से ठगी की जाती और उससे किस प्रकार बचा जा सकता है के, संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में दिनेश कुमार अहिरवार जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय खण्डेलवाल द्वारा किया गया।

श्रवण बाधित पेशेवरों एवं सांकेतिक भाषा इंटरप्रेटर्स के लिए भारत का प्रथम भौतिक 40 घंटे का मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। न्याय तक समावेशी पहुँच को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा श्रवण बाधित पेशेवरों तथा सांकेतिक भाषा इंटरप्रेटर्स के लिए भारत का प्रथम भौतिक 40 घंटे का मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। पाँच दिवसीय यह गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम इंदौर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इंदौर तथा उच्चतम न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (स्र्ष्टक्क) नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह पहल मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा के नेतृत्व तथा न्यायमूर्ति श्री विवेक रूसिया के मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायमूर्ति श्री विजय कुमार शुक्ला, द्वारा किया गया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति श्री शुक्ला ने कहा कि मध्यस्थता न्याय की सबसे मानवीय और सहभागी विधाओं में से एक है, जहाँ टकराव के स्थान पर संवाद और आपसी समझ के माध्यम से स्थायी समाधान प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि न्याय वितरण प्रणाली को निरंतर विकसित होना चाहिए ताकि विवाद निवारण की व्यवस्थाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँच सके। श्रवण बाधित पेशेवरों और सांकेतिक भाषा इंटरप्रेटर्स को मध्यस्थता का प्रशिक्षण प्रदान करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र अधिक समावेशी और सुलभ बन सके। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण सदस्य सचिव सुश्री सुमन श्रीवास्तव ने कहा कि मध्यस्थता का मूल आधार समझ, सहानुभूति और संवाद है। उन्होंने इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मध्यस्थता में हमेशा शब्दों की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि वास्तविक संवाद अक्सर धैर्य, विश्वास और संवेदनशीलता के माध्यम से विकसित होता है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम श्रवण बाधित प्रतिभागियों को विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति एवं उच्चतम न्यायालय द्वारा नामित अनुभवी प्रशिक्षकों %श्रीमती अनुजा सक्सेना% एवं %श्रीमती रीमा भंडारी% द्वारा किया जा रहा है। चालीस घंटों के इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को मध्यस्थता के दर्शन, संवाद तकनीक, वार्ता कौशल, विवाद विश्लेषण, मध्यस्थ की नैतिकता तथा व्यावहारिक मध्यस्थता अभ्यासों पर संरचित प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रभावी मध्यस्थता के लिए आवश्यक कौशल जैसे सक्रिय श्रवण, गैर-मौखिक संप्रेषण, संरचित संवाद, कॉकस तकनीक तथा सहमति आधारित समाधान को सुगम बनाने की विधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रतिभागियों को भारत में मध्यस्थता के विधिक ढाँचे से भी परिचित कराया जा रहा है, जिसमें सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 89 के अंतर्गत निहित सिद्धांतों तथा मध्यस्थों से अपेक्षित व्यावसायिक मानकों की जानकारी शामिल है।

तीन दिवसीय जिला स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का समापन

रायसेन/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग रायसेन द्वारा आत्मा योजनान्तर्गत तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का समापन कार्यक्रम जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा और जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी की उपस्थिति संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में उप संचालक कृषि श्री के.पी. भगत, सहायक संचालक श्री दुष्यंत कुमार धाकड़ सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मीणा ने संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब, युवा, अन्नदाता, महिलाओं का चहुमुखी विकास किया जा रहा है। कृषि विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर कृषक खेती को लाभकारी बनायें व रायसेन जिले का प्रदेश व देश के स्तर पर नाम रौशन हो सके। जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी ने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाने के लिए कृषकों को उन्नत तकनीक के साथ फसल उत्पादन के साथ-साथ सब्जी, फल, फूल, पशुपालन व बकरी पालन जैसी तकनीक का उपयोग कर अच्छा लाभ कमाया जा सकता है।

साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से कुपोषित बच्चों को पोषण किट प्रदान किया गया। कार्यक्रम के तृतीय दिन मध्यप्रदेश राज्य मिलेट योजनान्तर्गत श्री अन्न, ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी, रागी, चेना आदि फसलों के उत्पादन व प्रसंस्करण सम्बन्धी तकनीकी मार्गदर्शन कृषको को दिया गया एवं एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत बासमती धान के उत्पादन सम्बन्धी जानकारी विस्तारपूर्वक दी गयी।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर उपभोक्ताओं को अधिकारों और सतर्कता की दी गई जानकारी

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर 15 मार्च को कुरवाई के आजीविका भवन में जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के द्वारा, मां सरस्वती की पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों, जिम्मेदारियों और सतर्कता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

जिला आपूर्ति अधिकारी अनिल कुमार तंतुवाय ने खाद्य विभाग से संबंधित जानकारी साझा करते हुए उपभोक्ता दिवस के महत्व और उपभोक्ताओं के अधिकारों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं नापतौल निरीक्षक राजीव पांडे ने उपभोक्ताओं को तौल संबंधी सतर्कता बरतने और सही माप-तौल की जांच करने के बारे में जानकारी दी।

विद्युत विभाग के एआरओ अभिषेक मिश्रा ने बिजली बिल से संबंधित समाधान योजना के बारे में विस्तार से बताया और उपभोक्ताओं को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की ओर से खाद्य सुरक्षा अधिकारी कुदेशिया खान ने मिठाई और किराना दुकानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, उपभोक्ताओं के अधिकार और खाद्य पदार्थों के परीक्षण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

बिजली बिल और ऋण वसूली में राहत नहीं मिली तो होगा उग्र आंदोलनः विधायक बापू

किसानों और उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर विधायक बापू का सरकार पर निशाना

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। विधानसभा क्षेत्र सुसनेर के कांग्रेस विधायक भैरोंसिंह परिहार (बापू) ने रविवार को किसानों और आम नागरिकों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रेसवार्ता आयोजित की। प्रेसवार्ता में उन्होंने किसानों को राहत देने, बिजली बिलों में हो रही गड़बड़ी और सहकारी समितियों में ऋण वसूली जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के किसान और आम उपभोक्ता कई प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार से इन मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की मांग की।

विधायक परिहार ने कहा कि प्रदेश के किसान वर्तमान में आर्थिक दबाव में हैं। खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, वहीं किसानों को फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में सरकार को किसानों के हित में ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों और आम जनता की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्र में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

प्रेसवार्ता में विधायक ने किसानों को गेहूं खरीदी में मिलने वाले बोनस का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष राज्य सरकार ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के साथ किसानों को 125 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया था, जिससे किसानों को कुछ राहत मिली थी। इस वर्ष भी किसानों को इसी प्रकार का बोनस देने का वादा किया गया था, लेकिन वर्तमान में केवल 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। जो किसानों के साथ अन्याय है। विधायक ने कहा कि सरकार को किसानों की स्थिति को समझते हुए बोनस की राशि बढ़ाकर कम से कम 125 रुपये प्रति क्विंटल करना चाहिए। इससे किसानों को आर्थिक राहत मिलेगी और खेती के बढ़ते खर्च को कुछ हद तक संतुलित किया जा सकेगा। उन्होंने सहकारी संस्थाओं में किसानों से हो रही ऋण वसूली की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। विधायक ने कहा कि वर्तमान में ऋण चुकाने की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित की गई है, जबकि सरकार 1 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी शुरू करने जा रही है। ऐसी स्थिति में कई किसानों के खाते ओवरड्यू हो सकते हैं और उन्हें अतिरिक्त ब्याज का भार उठाना पड़ सकता है। इसलिए किसानों के हित में ऋण वसूली की अंतिम तिथि को आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

विधायक परिहार ने बिजली कंपनी पर भी क्षेत्र के उपभोक्ताओं के साथ मनमानी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई उपभोक्ताओं को अत्यधिक बिजली बिल दिए जा रहे हैं और शिकायत करने के बाद भी समाधान नहीं हो रहा है। इसके अलावा कुछ स्थानों पर वैध कनेक्शन होने के बावजूद उपभोक्ताओं को अवैध बताकर कार्रवाई की जा रही है, जिससे आम जनता में नाराजगी है।

उन्होंने मांग की कि बिजली बिल की बकाया राशि जमा करने की अंतिम तिथि को कम से कम एक माह के लिए बढ़ाया जाए, ताकि किसानों और आम उपभोक्ताओं को राहत मिल सके। विधायक ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री से इन सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर जल्द समाधान करने की अपील की।

प्रमुख मांगें और मुद्दे- गेहूं पर 125 रुपये प्रति क्विंटल बोनस की मांग- विधायक भैरोंसिंह परिहार ने कहा कि पिछले वर्ष सरकार ने किसानों को गेहूं खरीदी पर 125 रुपये प्रति क्विंटल बोनस दिया था। इस वर्ष केवल 40 रुपये बोनस दिया जा रहा है, जो किसानों के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने सरकार से किसानों को कम से कम 125 रुपये प्रति क्विंटल बोनस देने की मांग की।

सहकारी समितियों में ऋण वसूली की तारीख बढ़ाने की मांग- विधायक ने कहा कि वर्तमान में ऋण चुकाने की अंतिम तिथि 31 मार्च तय की गई है, जबकि 1 अप्रैल से गेहूं खरीदी शुरू हो रही है। ऐसी स्थिति में कई किसानों के खाते ओवरड्यू हो सकते हैं। इसलिए किसानों को राहत देने के लिए ऋण वसूली की अंतिम तिथि आगे बढ़ाई जानी चाहिए।

बिजली बिल की बकाया राशि की तारीख एक माह बढ़ाने की मांग- प्रेसवार्ता में विधायक ने कहा कि क्षेत्र में कई उपभोक्ताओं को अत्यधिक बिजली बिल दिए जा रहे हैं। किसानों और आम नागरिकों को राहत देने के लिए बिजली बिल जमा करने की अंतिम तिथि कम से कम एक माह बढ़ाई जानी चाहिए।

बिजली कंपनी की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल- विधायक ने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर वैध बिजली कनेक्शन होने के बावजूद उपभोक्ताओं को अवैध बताकर कार्रवाई की जा रही है। इससे आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बिजली कंपनी से पारदर्शी और जनहित में काम करने की मांग की।

इनका कहना- किसानों और आम जनता की समस्याओं को लेकर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री से शीघ्र समाधान की मांग की गई है। यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो क्षेत्र में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

-भैरोंसिंह परिहार (बापू) विधायक सुसनेर

बदनावर में आज गूंजेगी 'सिंह गर्जना' विराट सनातन हिंदू धर्मसभा को संबोधित करेंगी दीदी माँ ऋतंभरा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राम जन्मभूमि आंदोलन की प्रखर आवाज और वात्सल्य की प्रतिमूर्ति साध्वी ऋतंभरा (दीदी माँ) आज बदनावर की धरा पर कदम रखेंगी। अपने ओजस्वी और आक्रामक भाषणों से हिंदुत्व की अलख जगाने वाली दीदी माँ की वाणी सुनने के लिए क्षेत्र में भारी उत्साह है। कृषि उपज मंडी में आयोजित विराट सनातन हिंदू धर्मसभा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के जुटने की संभावना है। साध्वी ऋतंभरा का काफिला इंदौर से प्रस्थान करेगा। मार्ग में ग्रामीणों द्वारा उनके भव्य स्वागत की व्यापक तैयारियां की गई हैं। स्वागत हेतु लेबड़, नागदा, कानवन, बोरली और घटगारा ग्रामों में ग्रामीण जन दीदी माँ का अभिनंदन करेंगे। नगर में प्रवेश के पश्चात वे सर्वप्रथम बाबा श्री बैजनाथ महादेव मंदिर पहुंचेंगी, जहाँ वे विशेष पूजा-अर्चना कर महादेव का आशीर्वाद लेंगी। मंदिर दर्शन के उपरांत वे अमित जैन (विक्की) के निवास पर भोजन प्रसादी ग्रहण करेंगी। इसके पश्चात वे सीधे कृषि उपज मंडी स्थित सभा स्थल पहुंचेंगी, जहाँ विराट सनातन हिन्दू धर्मसभा को संबोधित करेंगी।

शायनिंग क्लब के फाग उत्सव में तहसील स्तरीय कबडी प्रतियोगिता का निश्चय

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। शायनिंग क्लब बड़नगर का फाग उत्सव स्थानिय एनडी पैलेस मैरिज गार्डन पर संस्था सवंरक्षक सकुमाल जैन एंव संस्था अध्यक्ष जगदीश चैहान के आतिथ्य में सपंन्न हुआ। उत्सव पूर्व की बैठक में अंकित पाटोंदी, अचल टोंग्या,राहुल यादव संस्था की सक्रियता से प्रभावित होकर आजीवन सदस्यता ग्रहण की । नवीन आजीवन सदस्यो का संस्था सवंरक्षक सुकमाल जैन, संस्था अध्यक्ष जगदीश चोहान, पूर्व अध्यक्ष संजय व्यास, विरेन्द्रसिंह चैहान, राकेश शर्मा एवं नंदलाल कल्याणी द्वारा दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया गया। फाग उत्सव के पूर्व संस्था की आगामी अप्रेल माह में तहसील स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता कराने के संबध में एक बैंठक भी आयोजित की गई। समस्त सदस्यो की सहमति बनी की भव्य तहसील स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन कराया जाना है। प्रतियोगिता के पुरूष्कार, तिथि एवं स्थान की घोषणा अगले दिनो में की जावेगी। पश्चात फाग महोत्सव में जमकर फूलो की होली खेली गई जिसमे संस्था के मुकेश मोरवाल, सुभाष गुप्ते, सुरेश माहेश्वरी, रघुनाथ भंडारे, देवेन्द्र धबाई, दौलतराम राठौड़ श्रीकान्त गोरे, तस्दुक बोहरा, महिपालसिंह पंवार, अल्पेश गिरी, आशिक बोहरा, श्रीकृष्ण राणा, बालमकुन्द पाटीदार, बब्बुदादा चोधरी, संतोष भंडारे, कैलाश चैहान, महेन्द्रसिंह देवड़ा, महिपालसिंह पंवार, राजेन्द्रसिंह पंवार, सुनील जायसवाल, श्याम शर्मा, तरूण भार्गव, प्रदीप अजमेरा, प्रवीणसिंह राठौर, ललीत सोनी, संतोष श्रीवास्तव, कपील शर्मा, भरत भाटी, शक्तिसिंह पंवार, किशोर पांचाल, अरिहंत शाह ईश्वरसिंह डोडिया, आदि सदस्यो ने ढोल की थाप पर ठुमके लगाये। कार्यक्रम का सफल संचालन हेमन्त माथुर व आभार महिपालसिंह पंवार ने माना उक्त जानकारी संस्था के मिडिया प्रभारी प्रमोद पंचोली ने दी।

बड़नगर श्री संघ द्वारा गच्छाधिपति के बड़नगर चातुर्मास हेतु विनंती की

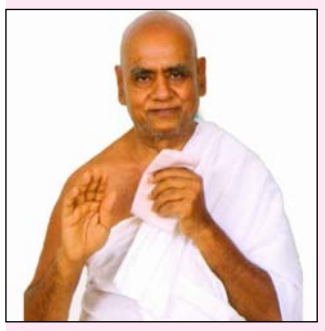

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। 2013 में बडनगर में अपना ऐतिहासिक चातुर्मास संपन्न कर चुके पुण्य सम्राट श्रीमद् विजय जयंतसेन सूरीश्वरजी जी महाराजा के दिव्य आशीर्वाद से बड़नगर जैन समाज श्री संघ द्वारा परम पूज्य गच्छाधिपति श्रीमद् विजय नित्यसेन सुरीश्वर जी महाराज साहब जो कि महाराष्ट्र राज्य के बलसाना जैन तीर्थ में विमलनाथ प्रभु जिनालय में विराजमान है वहां बडनगर श्री संघ अध्यक्ष पुखराज सियाल सचिव कैलाश ओरा ट्रस्टी राजेंद जैन दगवाडा शांतिलाल गोखरू राजेंद्र बरडिया द्वारा पूज्य श्री के दर्शन कर आशीर्वाद लिया तथा बड़नगर श्री संघ की ओर से नगर में सत्र 2026 का चातुर्मास करने हेतु विनम्र विनती की गई मीडिया प्रभारी राजकुमार नाहर ने बताया कि पूज्य श्री ने अपना पिछला चातुर्मास मुंबई में किया था उसके पश्चात आप गुजरात दक्षिण भारत महाराष्ट्र राज्य की यात्रा करते हुए अनेक संघों की स्पर्शना की तथा शासन प्रभावना के कार्य किए चैत्री पूनम को सन 2026 के चातुर्मास की घोषणा मोहन खेड़ा तीर्थ स्थित जयंत सेन म्यूजियम धाम से चातुर्मास की घोषणा करेंगे तथा आपके आज्ञानुवर्तनीय सभी साधु एवं साध्वी भगवंत के होने वाले चातुर्मास स्थिरता की भी घोषणा करेंगे।

परशुराम जन्मोत्सव को लेकर ब्राह्मण समाज की बैठक संपन्न, 20 अप्रैल को धुमधाम से बेंडबाजो के साथ शोभायात्रा निकालने का लिया निर्णय

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हर साल की तरह इस साल भी श्री ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धुमधाम से मनाया जाएगा। अक्षय तृतीया के अवसर पर 20 अप्रैल सोमवार को परंपरा अनुसार मनाया जाएगा। कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर स्थानीय श्री महर्षि परशुराम गुरुकुल वाटिका पर श्री ब्राह्मण समाज की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम भगवान परशुराम की प्रतिमा को पुष्प माला एवं दीप प्रज्वलित कर शुरुआत की गई।

बैठक में भगवान के जन्मोत्सव को लेकर चर्चा की गई व धुमधाम से उत्सव मनाने का निर्णय लेकर रूपरेखा बनाई गई। इस अवसर पर प्रातः 8ः00 बजे से भगवान श्री परशुराम की मूर्ति का पूजन एवं अभिषेक किया जाएगा। साथ ही भगवान परशुराम की भव्य शोभायात्रा शाम 5 बजे पंढरीनाथ मंदिर दुर्गा चौक से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए चंद्रलीला पैलेस के पीछे महर्षि परशुराम गुरुकुल वाटिका में पहुंचेगी । जहां श्री परशुराम जन्मोत्सव के तहत आयोजन होंगे।

समाज के अध्यक्ष दीपक द्विवेदी ने समाज जनों से अपील कर अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर सफल बनाने की मांग की।

ब्राह्मण महिला मंडल बदनावर अध्यक्ष श्रीमती मंजू लिटोरिया ने बताया कि भगवान श्री परशुराम जी का जन्मोत्सव को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। महिला मंडल समाजजनों के घर-घर जाकर निमंत्रण पत्रिका एवं पीले चावल देकर कर विप्र परिवार को आमंत्रित करेगी।

समाज के कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण देव ने बताया कि यह परंपरा विगत 29 वर्षों से सतत चल रही है और इसमें सामाजिक बंधुओं का सहयोग बढ़ चढ़कर प्राप्त होता है।

बैठक में श्री ब्राह्मण समाज बदनावर के संरक्षक, पूर्व अध्यक्ष, मार्गदर्शक, पदाधिकारी एवं सदस्य तथा महिला मंडल पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा ने किया। यह जानकारी श्री ब्राह्मण समाज के सचिव विनोद शर्मा ने दी।

नागदा खाचरोद जर्नालिस्ट क्लब शाखा क्रमांक 2 के अध्यक्ष दिलीप बूंदीवाल के जन्मदिन के अवसर पर किया स्वागत

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा जर्नलिस्ट क्लब परिवार द्वारा शनिवार को मीडिया प्रभारी जया बघेल के निवास स्थान पर बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ नागदा खाचरोद जर्नालिस्ट क्लब अध्यक्ष दिलीप बुंदिवाल का जन्मदिन मनाया गया साथ ही उपस्थित क्लब के सदस्यों के द्वारा होली मिलन का आयोजन भी किया गया था इस अवसर पर सभी सदस्यो ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर एवं गले में दुपट्टा डालकर एक दूसरे का स्वागत अभिनंदन किया साथ ही जन्मदिन के उपलक्ष पर दिलीप बूंदी वाल के द्वारा केक भी काटा गया इस अवसर पर क्लब के संस्थापक अध्यक्ष संचालक राजेश सकलेचा एवं क्लब के अध्यक्ष मांगीलाल पोरवाल द्वारा दिलीप बूंदीवाल को जन्मदिन की शुभकामनाएं एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं देकर उनका स्वागत किया गया इस दौरान वहां पर दिनेश सोलंकी राजू गुप्ता गगन बोहरा राहुल शर्मा जीवनलाल जैन अर्चना प्रजापत कैलाश नायक, संदीप दावरे, गिरधारी लाल गहलोत, शाहनवाज खान, दीपक उपाध्याय आदि लोग उपस्थित रहे। आभार जया बघेल एव गगन बोहरा ने माना।

बकाया जमा न करने वालों की अचल सम्पत्ति कुर्क कर नीलाम करें

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बकाया राजस्व जमा न करने वाले लोगों की जमीन व अन्य अचल सम्पत्तियां कुर्क कर नीलामी की कार्रवाई करें। साथ ही खसरे के कॉलम नं.-12 में संपत्ति कुर्क करने संबंधी जानकारी दर्ज करें। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने गूगल मीट के जरिए जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को दिए। उन्होंने डायवर्सन शुल्क, खनिज वसूली, रैरा व फूड सेफ्टी अधिनियम के तहत की जाने वाली वसूली की तहसीलवार समीक्षा की। साथ ही प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित कर अगले 15 दिनों तक वसूली के लिये विशेष अभियान चलाने के निर्देश सभी राजस्व अधिकारियों को दिए।

रविवार को हुई गूगल मीट में अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम व एडीएम श्री सी बी प्रसाद सहित जिले के एसडीएम, तहसीलदार व नायब तहसीलदार व अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। गूगल मीट के माध्यम से कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि वसूली की कार्रवाई विधिवत नोटिस तामील कराकर करें। साथ ही बार-बार आगाह करने के बाबजूद जिन बड़े बकायदारों द्वारा बकाया राजस्व जमा नहीं किया जा रहा है, उनके नाम सार्वजनिक करें और विधिवत अचल सम्पत्ति नीलाम कर वसूली की जाए। उन्होंने खनिज वसूली की समीक्षा के दौरान कहा कि बकायादारों की अचल सम्पत्ति नीलाम करने के साथ-साथ बकायादारों के वाहन भी नीलाम किए जाएं।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने रैरा एक्ट के तहत विभिन्न बिल्डर्स से की जा रही वसूली की समीक्षा के दौरान जोर देकर कहा कि जिन बिल्डर्स द्वारा जानबूझकर बकाया जमा करने में देरी की जा रही है, उनके खिलाफ विधिवत वारंट जारी कर जेल भेजने की कार्रवाई भी की जाए। साथ ही अचल सम्पत्ति को विधिवत नीलाम कर पैसा वसूल करें। यह भी निर्देश दिए गए कि बाहर के जिन बड़े बिल्डर्स की अचल सम्पत्ति ग्वालियर में बिक्री से शेष नहीं बची है उनसे वसूली के लिये संबंधित जिले के कलेक्टर को उचित माध्यम से पत्र लिखकर वसूली की कार्रवाई कराएं। गूगल मीट में कलेक्टर ने कहा कि खसरे के कॉलम नं.-12 में अवैध कॉलोनी लिखी होने के बाबजूद अचल सम्पत्ति की रजिस्ट्री न होने पाए, इसके लिये जिला पंजीयक व उप पंजीयक के साथ-साथ सर्विस प्रोवाइडर की जवाबदेही तय करें। सभी तहसीलदार इस पर नजर रखें और पंजीयन कार्यालय को विधिवत रूप से सूचित करते रहें।

पांच दिवसीय भव्य दशा माता मेले का शुभारंभ

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। भाटपचलाना के सोनामा घाट पर दशा माता के पावन पर्व पर आयोजित पांच दिवसीय दशा माता मेले का भव्य शुभारंभ नगर के थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह चौधरी एवं सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर अनिल पाटीदार द्वारा किया गया मेले में नागरिकों के मनोरंजनार्थ हेतु अनेक आयोजन किए जाएंगे। नगर के सोनामा घाट मैदान पर 13 मार्च से आयोजित पांच दिवसीय भाव दशा माता मेला अध्यक्ष एवं सरपंच गिरिजा कुंवर भानुप्रताप सिंह राठौर एवं उज्जैन जिला पंचायत अध्यक्ष कमला कुंवर अंतर सिंह देवड़ा के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा है। मेला शुभारंभ के अवसर पर पंचायत सचिव राजाराम धानक सरपंच प्रतिनिधि महेंद्रप्रताप सिंह राठौर उप सरपंच कन्हैयालाल चौधरी सहायक सचिव दिनेश पाठक लोकेंद्र सिंह परिहार पत्रकार शंकर लाल बोरीवाल अजय पाल सिंह राठौर मनोहर सिंह राठौर पूनमचंद खुंडिया बिल्डर मुकेश पोरवाल मांगीलाल योगी आकाश योगी गोपाल रजक सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित रहे।

एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

दतिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति अधिकारी दतिया द्वारा घरेलू एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने तथा आम उपभोक्ताओं को नियमित रूप से ईंधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यह व्यवस्था आयुक्त खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशों के तहत लागू की गई है। कंट्रोल रूम के माध्यम से जिले में गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंपों पर उपलब्ध ईंधन की स्थिति पर नजर रखी जाएगी। साथ ही आम नागरिकों से प्राप्त शिकायतों और समस्याओं का समाधान संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर कराया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा आदेश जारी कर जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है उनमें श्री राजेश जाटव, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी (दतिया/सेवढ़ा) मो. 6261732953, श्री पंकज करौरिया, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी (भाण्डेर) मो. 8109726499, श्री मनोज कुमार वर्मा, सहायक वर्ग-3, खाद्य विभाग मो. 7000318621, श्री रवि कुशवाहा, आउटसोर्स कम्प्यूटर ऑपरेटर, खाद्य विभाग मो. 9754712123, श्री विनोद पाल, आउटसोर्स कम्प्यूटर ऑपरेटर, खाद्य विभाग मो. 6263523677 शामिल है। जारी आदेश के अनुसार उक्त अधिकारी, कर्मचारी तेल कंपनियों, गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंप संचालकों से समन्वय बनाकर एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे तथा दैनिक स्टॉक की जानकारी भी संकलित करेंगे। साथ ही कंट्रोल रूम में प्राप्त आमजन की शिकायतों का त्वरित निराकरण भी कराया जाएगा।

पुस्तक मेला की तैयारियां जारी, मौजूदा माह में लगेगा पुस्तक मेला

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने पुस्तक विक्रेताओं व अधिकारियों के साथ लिया जायजा

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूली बच्चों को सस्ती दर पर किताबें, यूनीफॉर्म व स्टेशनरी उपलब्ध कराने के लिये ग्वालियर में सात दिवसीय पुस्तक मेला (बुक फेयर) लगने जा रहा है। सरकार की मंशा के अनुरूप यह बुक फेयर मौजूदा मार्च माह के दौरान ग्वालियर मेला में सूर्य नमस्कार तिराहा के समीप स्थित शिल्प बाजार परिसर में लगेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने रविवार की शाम संबंधित अधिकारियों एवं पुस्तक विक्रेताओं के साथ शिल्प बाजार परिसर पहुँचकर पुस्तक मेले की तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने इस अवसर पर स्पष्ट किया कि पुस्तक मेला अवधि के दौरान बाजार में किसी भी पुस्तक की दुकान से स्कूली पुस्तकें व स्टेशनरी नहीं बेची जा सकेंगीं।

इस पर पुस्तक विक्रेताओं एवं एसोसिएशन के अधिकारियों ने सहमति जताई। साथ ही कहा कि पुस्तक विक्रेताओं ने कहा कि पुस्तक मेला को लेकर हम उत्साहित हैं। पुस्तक मेले में प्रत्येक दुकानदार द्वारा किताबों, स्टेशनरी व यूनीफॉर्म की बिक्री पर आकर्षक छूट भी प्रदान की जायेगी। पुस्तक मेला परिसर के निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री कुमार सत्यम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, जिला शिक्षा अधिकारी श्री हरिओम चतुर्वेदी, डीपीसी श्री रविन्द्र तोमर एवं मेला सचिव श्री सुनील बाबू त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी, पुस्तक विक्रेता एसोसिएशन के पदाधिकारी व पुस्तक विक्रेता मौजूद थे। पुस्तक विक्रेताओं को जिले के विभिन्न स्कूलों के पाठ्यक्रम उपलब्ध करा दिए गए हैं। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने इस मौके पर पुस्तक विक्रेताओं से कहा कि वे निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों के सेट बच्चों एवं उनके अभिभावकों को उपलब्ध कराएं। वेंडर्स यानि पुस्तक विक्रेताओं द्वारा पुस्तक मेला मे किताबें, स्टेशनरी व ड्रेस खरीदने वाले अभिभावकों को विशष छूट दी जायेगी। पुस्तक मेला लगने से अनाधिकृत प्रिंटिग कर पुस्तक बेचने की प्रवृत्ति पर भी प्रभावी रोक लगेगी।

मार्च माह के द्वितीय पखवाड़े में लगने जा रहे पुस्तक मेले में सीबीएसई, आईएसई एवं एमपी बोर्ड से संबंध सभी निजी स्कूलों के पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकें व यूनीफॉर्म उपलब्ध रहेंगी। जिला प्रशासन द्वारा बच्चों व उनके अभिभावकों के हित को ध्यान में रखकर लिए गए पुस्तक मेला लगाने के निर्णय का पुस्तक प्रकाशकों (पब्लिशर्स) व डीलर्स ने स्वागत किया है।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निरीक्षण के दौरान पुस्तक मेले की रूपरेखा के संबंध में विस्तार से चर्चा की। पुस्तक विक्रेताओं ने पिछले साल जिन दुकानदारों को जो दुकानें आवंटित की गई थीं, उन्हीं दुकानों का इस बार भी आवंटन करने का आग्रह किया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि पुस्तक विक्रेताओं की सहमति से ही आवंटन की प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जायेगा। उन्होंने शिल्प बाजार परिसर की साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था, शौचालय व पेयजल की पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही कहा कि पुस्तक मेला परिसर में फूड स्टॉल भी लगवाए जाएं।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिये पुस्तक मेला परिसर में बुक बैंक भी स्थापित किया जायेगा। ऐसे स्कूली विद्यार्थी जो अपनी पिछली कक्षा की किताबें दान करना चाहते हैं वे बुक बैंक में अपनी किताबें जमा कर सकेंगे। ज्ञात हो पिछली साल बनाए गए बुक बैंक से 700 जरूरतमंद बच्चों ने निःशुल्क पुस्तकें प्राप्त की थीं।

भविष्य में एआई से होगा इलाज, डॉक्टर को मरीज को हाथ लगाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी: सकलेचा

जिला युवा प्रेसक्लब का भव्य आयोजन में राजनीति, प्रशासन और मीडिया के दिग्गजों ने साझा किए विचार, वरिष्ठ पत्रकारों का हुआ सम्मान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रोटरी भवन गोमाबाई रोड स्थित रोटरी क्लब में जिला युवा प्रेसक्लब द्वारा आयोजित पत्रकार सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी में आधुनिक तकनीक, पत्रकारिता की शुचिता और सामाजिक सरोकारों पर गंभीर मंथन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री व जावद विधायक ओमप्रकाश सकलेचा ने भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि आने वाले 3 साल में तकनीक इतनी उन्नत होगी कि डॉक्टरों को मरीज को छूने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति ला रहा है, जिससे सटीक निदान और रिमोट मॉनिटरिंग के जरिए बेहतर सेवाएं मिलेंगी।

सकलेचा ने कोरोना काल को याद करते हुए कहा कि उस वक्त हमने जूनियर डॉक्टरों के भरोसे जंग लड़ी थी। विधायक माधव मारू और हमारे संयुक्त प्रयासों से नीमच में संक्रमण को रोकने में सफलता मिली। उन्होंने कहा कि नीमच के डीएनए में तरक्की है और विकसित राष्ट्र बनाने में मीडिया को सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

लोकतंत्र के स्तंभों की मजबूती पर जोर- मनासा विधायक माधव मारू ने कहा कि आज सूचनाओं का दौर तत्काल का है। प्रेस की छवि को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है, इसके लिए वरिष्ठों से मार्गदर्शन लेना चाहिए। भाजपा जिलाध्यक्ष पवन पाटीदार ने कहा कि राजनीति और पत्रकारिता दोनों का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज बनना है। नगरपालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा ने पत्रकारों को प्रशासन और जनता के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष तरुण बाहेती ने जोर दिया कि पत्रकारों के मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए और उनकी लेखनी से पीड़ित को न्याय मिलना ही सच्ची पत्रकारिता है।

भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना खंडेलवाल ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं और समाज की सहभागिता से ही क्षेत्र का विकास संभव है। भाजपा हमेशा जनसेवा के संकल्प के साथ काम करती है।

वरिष्ठ पत्रकारों ने दी सीख, तथ्य और निष्पक्षता है सबसे बड़ी पूंजी- संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकार धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों का अपना महत्व है, लेकिन तथ्यों की पुष्टि के बिना खबर नहीं चलानी चाहिए। कवि व पत्रकार सुरेश सन्नाटा ने कहा कि पत्रकारिता में कोई छोटा-बड़ा नहीं होता, सच को सामने लाना ही मूल उद्देश्य है। दिनेश प्रजापति ने टीआरपी की दौड़ में प्रमाणिकता को बचाए रखने की अपील की। वहीं कपिल चौहान ने पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग को लेकर जनप्रतिनिधियों को घेरा। वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण शर्मा ने कानूनी प्रावधानों और संपादक राजेश मानव ने ज्ञान व अध्ययन को पत्रकार की सबसे बड़ी पूंजी बताया।

आस्था का सम्मान, अतिथियों को भेंट की भादवामाता की तस्वीर- समारोह की गरिमा को बढ़ाते हुए आयोजन समिति द्वारा सभी मुख्य अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान परंपरा और श्रद्धा का निर्वहन करते हुए सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह के रूप में मप्र की प्रसिद्ध शक्तिपीठ आरोग्य देवी मां भादवामाता की तस्वीर भेंट की गई।

वरिष्ठों का सत्कार, इन पत्रकारों की लेखनी का हुआ सम्मान- पत्रकारिता के क्षेत्र में लंबी सेवाओं और समाज को दिशा देने वाले जिले के वरिष्ठ पत्रकारों का मंच से सम्मान किया गया। इनमें धर्मेंद्र शर्मा, सुरेश सन्नाटा, दिनेश प्रजापति, संजय यादव, संजय जोशी, राजेश मानव, कृष्णा शर्मा, हरीश अहीर, मुकेश सहरिया और कमलकांत जोशी शामिल रहे, जिन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनकी लेखनी को सराहा गया।

जीवन रक्षा की सौगात, सुरक्षा की दृष्टि से पत्रकारों को दिए हेलमेट- समाज को जागरूक करने वाले पत्रकारों की स्वयं की सुरक्षा को लेकर यातायात पुलिस ने इस मंच से अनूठी पहल की। यातायात पुलिस अधिकारी सोनू बडगुर्जर ने दोपहिया वाहन चलाते समय सुरक्षा की महत्ता बताई और कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों को हेलमेट वितरित किए। उन्होंने अपील की कि पत्रकार स्वयं हेलमेट पहनकर समाज के लिए रोल मॉडल बनें।

अतिथियों के लिए विशेष किट, फोल्डर में मिली डायरी और पेन- आयोजन में जिले के कोने-कोने से आए पत्रकार साथियों का भी विशेष ध्यान रखा गया। बाहर से पधारे पत्रकार बंधुओं को सम्मान स्वरूप एक विशेष फोल्डर प्रदान किया गया, जिसमें डायरी और पेन दिए गए। इस किट का उद्देश्य पत्रकारों को उनके लेखन और महत्वपूर्ण सूचनाओं को संकलित करने में सहयोग करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान जिला युवा प्रेसक्लब अध्यक्ष राकेश मालवीय, उपाध्यक्ष अब्दुल अली ईरानी, मनीष बागड़ी, विजित राव महाडिक, आनंद अहिरवार, प्रथम सिंह डोडिया, गोपाल मेहरा, पंकज मेनारिया सहित अंचल से कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार पहुंचे।

विश्व उपभोक्ता दिवस का हुआ आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। खादय नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता सरंक्षण विभाग बडतानी के द्वारा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति बड़वानी में कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें सर्वप्रथम खाद्य सुरक्षा विभाग से श्री पंकज ऑचल द्वारा पैक्ड खाद्य पदार्थ जिनमें निर्माण तिथि एक्सपायरी, उपयोग करने की अवधि, पदार्थ जिससे बना है उसके घटको की जानकारी, सामग्री की गुणवत्ता, दूध एवं दूध उत्पाद आदि में मिलावट को किस प्रकार से घर पर ही जाँचा जा सकता है जानकारी दी गई।

नापतौल विभाग के श्री अम्बिकेरा चौहान के द्वारा उपभोक्ताओं को पैक्ड सामग्री में पैकेट पर उपभोक्ता हेतु टोल फी नम्बर तथा पैकेट में पैक्ड मात्रा अंकित होना, आवश्यक होकर मिठाई खरीदी के दौरान डब्बे का वजन मिठाई के वजन में शामिल नहीं किया जाये तथा नाप बाट के नेगाशिक रूप से सत्यापित अवधि ए, बी, सी, डी में अंकित होकर सत्यापन ए - 26 अर्थात आगामी मार्च 27 तक वैध होगा । इसी प्रकार बी-26 अर्थात जून 2027 तक, सत्यापन सी-26 अर्थात अक्टूबर 2027 तक वैध होगा आदि जानकारी से अवगत कराया गया। उपभोक्ता सामग्री क्रय के दौरान तौल पर ध्यान दे तो वो ठगी से बच सकता है।

खाद्य विभाग से श्री भारत सिंह जमरे जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा विश्व उपभोक्ता दिवस के आयोजन के उद्देश्यों के संबंध में जानकारी देते हुए अवगत कराया कि विश्व उपभोक्ता दिवस का उद्देश्य उपभोक्ताओं के अधिकारों एवं आवश्यकता के बारें में वैश्विक जागरुकता करना है तथा उपभोक्ताओ के मौलिक अधिकार जैसे, सुरक्षा चुनना, चुने जाना, सुचना पाना, सुने जाना, निवारण का अधिकार की जानकारी दी गई । उपभोक्ता फोरम जिला राज्य एवं राष्ट्रीय उपभोक्ता फोरम की जानकारी से अवगत कराया गया, साथ ही विभाग अंतर्गत खाद्यान्न वितरण की जानकारी दी गई।

जिसमें माह मार्च एवं अप्रैल 2026 दो माह का एक मुश्त खाद्यान्न 15 अप्रैल 2026 तक तथा मई एवं जून 2026 दो माह का एक मुश्त खाद्यान्न 31 मई 2026 तक वितरण किया जाना है जिसमे उपभोक्ता खाद्यान्न वितरण की पावती प्रत्येक माह के पृथक-पृथक बायो मेट्रिक सत्यापन कर वितरण मात्रा की पावती माहवार अनिवार्य प्राप्त करते हुए पावती अनुसार खाद्यान्न सामग्री वितरण पावती अनुसार उसी समय सामग्री प्राप्त करें। अंत में श्री गुलाबचन्द्र गुप्ता सदस्य उपभोक्ता हितेषी मंच बड़वानी के दवारा अवगत कराया गया कि छोटी छोटी सामग्री जैर जैसे सब्जी भाजी खरीदते दौरान तौल पर ध्यान दे उपभोक्ताओ को हितों की सुरक्षा स्वयं करनी होगी। जिसके लिए वो जागरुक रहे पुराने ज़माने में चौकी से नाप कर खरीदी होती थी, जिससे उपभोक्ताओ को नुकसान होता था, जिससे बचने के लिए वर्तमान व्यवस्था में किलो ग्राम एवं लीटर में नाप से नुकसान में कमी आई है। उपभोक्ता सोया रहेगा तो लुटता रहेगा उसे जागरुक रहना चाहिए तथा दवाईया आदि एक्सपाईरी डेट देख कर ही ली जाये । इस प्रकार बिज एवं खाद भी किसान को भूमि के खसरे का उल्लेख कराते हुए बिल अनिवार्य रूप से लिया जावे ताकि बीज खाद खराब होने की स्थिति में हर्जाने हेतु नियमानुसार दावा लगाया जा सके ।

गर्मी में नन्हें पौधों का बच्चों की तरह रखे ख्याल - डॉ पहाड़िया
टीम शिवकुंज निभा रही है वृक्ष मित्र की अहम भूमिका

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक और गर्मी आते से ही लोग ठंडे वातावरण की घर में सुविधा जुटाने में लग जाते हैं वही छोटे बच्चों का गर्मी के थपेड़ों से बचाव के लिए विशेष सुरक्षा की जाती है। किंतु कुछ लोग ऐसे भी हैं जो गर्मी की तपिश को देखते हुए उन पौधों के विषय में सोचते हैं जिन्हें उन्होंने कभी प्रशासन के साथ मिलकर एक जुटता के साथ रोपा था। हम बात कर रहे हैं शिवकुंज पर्यावरणीय पाठशाला जो की एक अंतःवासी उपवन भी है । जन सहयोग से प्रशासन की पहल से रोपे गए नन्हे पौधे आज किशोरावस्था में पहुंच गए हैं। किंतु पथरीली पहाड़ी होने के कारण तथा बहुत सारे पौधों के साथ जोखिम को देखते हुए लगातार गर्मियों में विशेष रूप से पानी मिलता रहे इस हेतु टीम शिवकुंज श्री सचिन दुबे, श्री मनीराम नायडू, श्री प्रदीप किराडे ,श्री रमेश यादव ,श्री अमित भावरे, श्री हिमांशु बाबले के द्वारा निरंतर वृक्ष मित्र दायित्व का निर्वाह किया जा रहा है। ट्रस्ट के सचिव डॉ चक्रेश पहाड़िया ने बताया पौधे भी नन्हे बच्चों की तरह होते हैं जिनका विशेष ध्यान रखना अनिवार्य होता है। इस कार्य में आज टीम शिवकुंज के द्वारा ऐसे स्कूल के विद्यार्थी जो शिवकुंज में प्रातः घूमने के लिए आते हैं स्पर्श, चिरायु ,चेतन और ध्रुव इन्हें भी समर कैंप के रूप में मोटिवेट कर प्रकृति और पर्यावरण से जोड़ा गया है। वह भी जल पहुंच अभियान में सहभागी बन रहे हैं। यह अभियान ग्रीष्म ऋतु में निरंतर जारी रहेगा।

विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर आज खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष नागरिक उपभोक्ता दर्शन मंच श्री जी. पांडे, प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन श्रीमती जानकी देवी, अंतर्राष्ट्रीय उपभोक्ता कल्याण समिति के अध्यक्ष डॉ. उत्तम सिंह, अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन के संभागीय अध्यक्ष श्रीमती भगवती भारद्वाज, श्री आशीष विश्वकर्मा एवं श्री राजेंद्र कुमार जैन, राष्ट्रीय कंज्यूमर प्रोटेक्शन ऑर्गेनाइजेशन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आयोजित किया गया। वक्ताओं ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति एक उपभोक्ता है और उसे कई महत्वपूर्ण अधिकार प्राप्त हैं, जैसे ङ्क सुरक्षा का अधिकार, जानकारी पाने का अधिकार, अपनी पसंद से वस्तु चुनने का अधिकार तथा उनके साथ कोई धोखाधड़ी होने पर शिकायत निवारण का अधिकार। कार्यक्रम में श्रीमती सीमा बोरासिया प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे एलपीजी की कमी से संबंधित किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। जिले में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है उन्हें किसी प्रकार की पैनिक बुकिंग कराने की आवश्यकता नहीं है। नागरिकों को पीएनजी तथा अन्य वैकल्पिक व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी दी गई तथा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने उपभोक्ताओं से अपील की कि, वे वस्तु खरीदते समय बिल अवश्य लें। उत्पाद की गुणवत्ता तथा एक्सपायरी डेट की जाँच करें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित उपभोक्ता मंच में शिकायत दर्ज कराएँ। इस अवसर पर बताया गया कि भारत में उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए कन्जूमर प्रोटेक्शन एक्ट 2019 लागू है, जिसके माध्यम से उपभोक्ताओं को न्याय प्राप्त करने का अधिकार मिलता है।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. शाह ने देवगढ़ किले का किया भ्रमण

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने अपने छिंदवाड़ा प्रवास के दौरान जिले की ऐतिहासिक धरोहर देवगढ़ किले का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने किले की ऐतिहासिक महत्वता को देखते हुए इसके संरक्षण, सौंदर्यीकरण तथा बेहतर रख-रखाव के लिए संबंधित अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने जनजातीय कार्य मंत्री डॉ.शाह को किले की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा संरक्षण कार्यों के बारे में जानकारी दी। मंत्री डॉ शाह ने किले परिसर में स्वच्छता व्यवस्था बेहतर बनाए रखने, आवश्यक मरम्मत कार्य कराने तथा पर्यटकों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने किले तक पहुंचने वाले मार्ग को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए, ताकि पर्यटकों और आगंतुकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ.शाह ने कहा कि देवगढ़ का किला गोंड राजाओं की समृद्ध शासन व्यवस्था, वीरता और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है।

उन्होंने कहा कि यह स्थल कभी गोंड शासन की प्रमुख राजधानी के रूप में प्रसिद्ध था और यहां की ऐतिहासिक धरोहरें उस गौरवशाली इतिहास की याद दिलाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक स्थलों का संरक्षण करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है और प्रदेश सरकार इनके संरक्षण तथा पर्यटन विकास के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

प्राकृतिक और हाईटेक खेती ही भविष्य की जरूरत- सावित्री ठाकुर

धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा योजना) के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेले का आज गरिमामय समापन हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार)श्रीमती सावित्री ठाकुर रहीं। उनकी उपस्थिति में धार जिले के प्रगतिशील किसानों को आधुनिक और प्राकृतिक कृषि की नवीन तकनीकों से अवगत कराया गया। प्राकृतिक खेती और स्वास्थ्य पर जोर उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि, वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली और स्वास्थ्य चुनौतियों को देखते हुए प्राकृतिक खेती को अपनाना अनिवार्य हो गया है। हालांकि जैविक विधियां शुरुआत में कठिन लग सकती हैं, लेकिन दीर्घकालिक स्वास्थ्य और भूमि की उर्वरता के लिए यह श्रेष्ठ विकल्प है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे आधुनिक युग की मांग के अनुसार हाईटेक फार्मिंग को अपनाएं ताकि कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सके। कृषक कल्याण और सम्मान मंत्री श्रीमती ठाकुर ने जानकारी दी कि भारत सरकार के साथ-साथ मध्य प्रदेश सरकार किसानों की समृद्धि के लिए संकल्पित है। इसी क्रम में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में घोषित किया गया है, जिसके तहत अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। आत्मा योजना के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। मेले में लगाए गए विभिन्न शासकीय, अशासकीय स्टॉलों और जैविक हाट के प्रतिभागियों को भी उनके योगदान हेतु सम्मानित किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. चौहान, डॉ. जी.एस. गाठिये एवं डॉ. के.एस. किराड़ ने किसानों को तकनीकी जानकारी दी। उप संचालक कृषि श्री सोलंकी द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा और दो दिवसीय गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री वीरेंद्र कुमार जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर परियोजना संचालक (आत्मा) श्री डी.सी. छवालिया सहित विभाग के अन्य अधिकारी और लगभग 1100 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

अवैध गैस भंडारण एवं रिफिलिंग पर प्रशासन की कार्यवाही

धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर के आदेशानुसार एवं अपर कलेक्टर के निर्देशानुसार महू-नीमच रोड स्थित धार फाटा, माकनी-नागदा (जिला धार) में स्थित श्री विनायक किराना एंड जनरल स्टोर्स पर गैस के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय एवं रिफिलिंग की शिकायत के आधार पर जांच कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही दुकान मालिक सोहनलाल राठौर, निवासी नागदा कानवन की उपस्थिति में की गई। जांच के दौरान दुकान से लगे टीनशेड के कमरे में ॥क्क कंपनी के घरेलू उपयोग के 14.2 किलोग्राम क्षमता के 7 खाली गैस सिलेंडर, 5 किलोग्राम क्षमता के 13 भरे एवं 3 खाली गैस सिलेंडर, 3 सिंगल बर्नर भट्टियां तथा 1 इलेक्ट्रॉनिक तोल कांटा भंडारित पाया गया। दुकान मालिक द्वारा गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण एवं अवैध क्रय-विक्रय किए जाने के कारण मौके पर पाए गए गैस सिलेंडर एवं अन्य सामग्री को जब्त किया गया।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम एवं साइकिल मैराथन का आयोजन

धार/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष धार में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही भारतीय खेल प्राधिकरण, जिला धार के समन्वय से उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से साइकिल मैराथन दौड़ का आयोजन भी किया गया। साइकिल मैराथन दौड़ को जिला उपभोक्ता आयोग धार के सदस्य श्री दीपेंद्र शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया तथा प्रतिभागियों को फिट इंडिया की शपथ भी दिलाई गई। यह मैराथन भारतीय खेल प्राधिकरण से प्रारंभ होकर रुद्राक्ष होटल, इंदौर नाका मार्ग से होते हुए पुनः खेल प्राधिकरण पहुंचकर समाप्त हुई।

इस अवसर पर सभी को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस की शुभकामनाएं दी गईं तथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मुख्य कार्यक्रम जिला उपभोक्ता आयोग की सदस्य श्रीमती हर्षा रूणवाल के मुख्य आतिथ्य एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) धार श्री राहुल गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ता जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रस्तुत की गईं। खाद्य सुरक्षा विभाग से अभिहित अधिकारी श्री सचिन लोंगरिया ने बताया कि खाद्य पदार्थों की बिक्री हेतु खाद्य लाइसेंस की अवधि अब आजीवन कर दी गई है, जिससे विक्रेता अपने व्यवसाय पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि चलित खाद्य प्रयोगशाला (मोबाइल फूड लैब) भी कार्यशील है, जिसमें कोई भी व्यक्ति निर्धारित शुल्क जमा कर खाद्य पदार्थों का परीक्षण करवा सकता है। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री श्रीराम बरडे ने अपने उद्बोधन में कहा कि उपभोक्ताओं को वस्तु खरीदते समय उसकी गुणवत्ता, मानक एवं अन्य विवरणों पर विशेष ध्यान देना चाहिए और छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री राहुल गुप्ता ने कहा कि ग्रामीण स्तर तक उपभोक्ता जागरूकता अभियान चलाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ऑनलाइन खरीदारी करते समय विशेष सावधानी बरतने की भी सलाह दी। कार्यक्रम में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के विभिन्न प्रावधानों तथा उपभोक्ता आयोग द्वारा उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले न्याय के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि श्रीमती हर्षा रूणवाल ने कहा कि उपभोक्ताओं को ठगी से बचने के लिए स्वयं जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सस्ती वस्तु खरीदते समय उसकी गुणवत्ता और सुरक्षा का भी मूल्यांकन अवश्य करना चाहिए। नापतौल अधिकारी द्वारा भी नापतौल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में खाद्य विभाग से सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री आशीष जोशी एवं श्री दिलीप मनवारे, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री राहुल मंडलोई एवं श्री लक्ष्य पैट्रिक भी उपस्थित रहे। इसके साथ ही विभिन्न उपभोक्ता संगठनों के पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए, जिनमें म.प्र. राज्य उपसचिव अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन श्री सतीश वर्मा, श्रीमती लेखा शर्मा (महिला जागरूक उपभोक्ता संगठन), श्री साबिर खान (सदस्य जागरूक उपभोक्ता संगठन), श्री राजेश शर्मा (संभागीय प्रवक्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार) आदी।

होम स्टे देख प्रफुल्लित हुए जनजातीय कार्य मंत्री डॉ.शाह, पर्यटन ग्राम देवगढ़ में हुआ पारंपरिक तरीके से स्वागत

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह रविवार प्रात- पर्यटन ग्राम देवगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा विकसित किए गए होम स्टे का अवलोकन किया। होम स्टे को देखकर वे प्रफुल्लित हुए। देवगढ़ पहुंचने पर उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ.शाह ने करीब एक घंटे से अधिक समय होम स्टे में बिताया और यहां आने वाले पर्यटकों तथा उन्हें दिए जाने वाले अतिथि सत्कार के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान होम स्टे संचालिका श्रीमती कविता देवी सिंह धुर्वे ने उन्हें बताया कि यहां आने वाले पर्यटकों को परोसे जाने वाले भोजन की अधिकांश सब्जियां हितग्राही जैविक तरीके से अपने घरों में ही उगाते हैं। साथ ही यहां पर्यटकों को किफायती दामों पर ताजे फल और सब्जियां भी उपलब्ध कराई जाती हैं, जिन्हें वे खरीदकर अपने साथ घर भी ले जाते हैं।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ.शाह ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से पर्यटकों के लिए संचालित अन्य गतिविधियों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। होम स्टे में नाश्ते के दौरान उन्होंने हितग्राहियों को देवगढ़ और पर्यटन के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि सभी ग्रामीण मिलकर पर्यटकों के साथ अच्छा व्यवहार करें और बेहतरीन अतिथि सत्कार प्रदान करें, ताकि देवगढ़ का नाम पर्यटन के नक्शे में प्रमुखता से लिया जा सके और यहां पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो।

होम स्टे भ्रमण के दौरान जनजातीय कार्य मंत्री डॉ.शाह के साथ नगर निगम छिंदवाड़ा के महापौर श्री विक्रम अहके, जय भवानी पर्यटन समिति के सदस्य तथा बैक टू विलेज संस्था से श्री राजेंद्र पाठे सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से पर्यटन ग्राम देवगढ़ में वर्तमान में 12 होम स्टे संचालित किए जा रहे हैं, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और ग्रामीण आतिथ्य के कारण पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (अन्यकर)
(जाहिर सूचना)

क्रमांक : अन्यकर/2026/282 उज्जैन, दिनांक : 10/03/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम, उज्जैन के स्वामित्व का भूखण्ड क्रमांक 05, ज्योति नगर, नगर निगम कॉलोनी, उज्जैन जो कि आवेदकगण **श्रीमती कमला पति श्री महेशचंद्र नाहटा** एव **श्री महेशचंद्र पिता श्री केसरीमल नाहटा, निवासी- 05. ज्योति नगर, नगर निगम कॉलोनी, उज्जैन** को लीज पर आवंटित हैं। उनके द्वारा लीज पर आवंटित उक्त भूखण्ड को मध्य प्रदेश नगर पालिका (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम 2016 की धारा 20 के अंतर्गत लीज होल्ड भूमि को भूस्वामी का अधिकार प्रदान किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस जाहिर सूचना के माध्यम से प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त भूखण्ड क्रमांक **05, ज्योति नगर, नगर निगम कॉलोनी, उज्जैन** को लीज होल्ड भूमि को भूस्वामी का अधिकार प्रदान किये जाने हेतु किसी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से सम्बंधित कोई ठोस आपत्ति हो, तो मय प्रमाण के कार्यालय, राजस्व विभाग (अन्यकर), कक्ष क्रमांक 135, छत्रपति शिवाजी भवन, आगर रोड़, नगर पालिक निगम, उज्जैन में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करे। समय सीमा में आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में उक्त भूखण्ड क्रमांक 05, ज्योति नगर, नगर निगम कॉलोनी, उज्जैन को मध्य प्रदेश नगर पालिका (अचल सम्पत्ति का अंतरण) नियम 2016 की धारा 20 के प्रावधान अंतर्गत लीज होल्ड भूमि को भूस्वामी का अधिकार प्रदान कर दिया जावेगा। तत्पश्चात् कोई आपत्ति/उज्र मान्य नहीं होगी।

सहायक आयुक्त (अन्यकर)
नगर पालिक निगम, उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

19 मार्च को शिप्रा तट पर होगा विक्रम उत्सव का मुख्य आयोजन, मुख्यमंत्री होंगे शामिल

कार्यक्रम स्थल का हुआ भूमि पूजन, सृष्टि आरंभ दिवस और उज्जयिनी गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा उत्सव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम उत्सव 2026 का मुख्य कार्यक्रम 19 मार्च को शाम 7 बजे शिप्रा तट पर आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी शामिल होंगे। आयोजन की तैयारियां तेज हो गई हैं और कार्यक्रम स्थल पर बड़े मंच का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

मुख्य कार्यक्रम के सफल आयोजन की कामना को लेकर रविवार सुबह शिप्रा तट पर मां शिप्रा और भूमि का विधिवत पूजन किया गया। पूजन कार्यक्रम में विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी सहित अन्य अधिकारी और आयोजन से जुड़े लोग मौजूद रहे।

श्री तिवारी ने बताया कि 19 मार्च को आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम सृष्टि आरंभ दिवस और उज्जयिनी गौरव दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर सम्राट विक्रमादित्य अलंकरण भी प्रदान किए जाएंगे। इस सम्मान में अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक सम्मान दिया जाएगा, जिसकी राशि एक करोड़ एक लाख रुपये होगी। इसके अलावा एक राष्ट्रीय सम्मान 21 लाख रुपये का और तीन राज्य स्तरीय सम्मान पांच-पांच लाख रुपये के प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रकाशनों का लोकार्पण भी किया जाएगा। इनमें कालगणना पर आधारित विक्रम पंचांग 2083, भारत निधि ,आर्य भारत, 84 महादेव और विक्रमांक पत्रिका शामिल हैं। मुख्य कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए शिप्रा तट पर बड़ा मंच तैयार किया जा रहा है और आयोजन से जुड़ी अन्य व्यवस्थाएं भी तेजी से की जा रही हैं। आयोजकों के अनुसार इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे और विक्रम उत्सव को पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

गैस सिलेंडर की कमी को लेकर कांग्रेस आज करेगी कलेक्टर कार्यालय का घेराव

सड़क चौड़ीकरण का भी होगा विरोध- गेहूं का भाव 2700 रुपए करने की मांग करेंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गैस सिलेंडरों की कमी और बढ़ती कीमतों को लेकर शहर और जिला ग्रामीण कांग्रेस ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस ने घोषणा की है कि आज सोमवार सुबह 11 बजे कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि शहर में गैस सिलेंडरों की किल्लत बनी हुई है। आम लोगों को समय पर गैस नहीं मिल पा रही है और ऊपर से बढ़े हुए दामों ने रसोई का बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। इसके बावजूद प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहा है। इसी के विरोध में कांग्रेस अब आंदोलन की राह पर उतर आई है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेश परमार और शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी ने कहा कि आम जनता और किसानों की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर प्रशासन को चेतावनी देने के लिए कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगी। उन्होंने कहा कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

कांग्रेस ने प्रदर्शन के जरिए प्रशासन के सामने चार प्रमुख मांगें रखी हैं। सबसे पहले शहर में गैस सिलेंडरों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने और बढ़े हुए दाम कम करने की मांग की गई है, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

इसके अलावा किसानों के हित में गेहूं खरीदी का भाव बढ़ाकर 2700 रुपए प्रति क्विंटल करने की मांग की जाएगी। कांग्रेस का कहना है कि मौजूदा समर्थन मूल्य किसानों की लागत के मुकाबले कम है, जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है। शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण को लेकर भी कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। नेताओं का कहना है कि कई मार्गों पर चौड़ीकरण के नाम पर मनमानी की जा रही है और रहवासियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। कांग्रेस ने मांग की है कि पिपलीनाका-गढ़कालिका मार्ग की चौड़ाई 80 फीट और एमआर-4 मार्ग की चौड़ाई 60 फीट रखी जाए। साथ ही अन्य मार्गों पर भी स्थानीय लोगों की मांग के अनुसार निर्णय लिया जाए और प्रभावित रहवासियों को उचित मुआवजा दिया जाए। इसके साथ ही बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं से किए जा रहे कथित मनमाने बिजली बिलों की वसूली पर रोक लगाने की मांग भी कांग्रेस ने उठाई है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जनता से जुड़े इन मुद्दों पर यदि प्रशासन ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। आज कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

चौड़ीकरण के लिए सड़क खोदी, लाइन फूटने से नलों में आया मटमैला पानी

नरेन्द्र टॉकीज के पास मिल्कीपुरा क्षेत्र के लोगों ने जताई नाराजगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोयला फाटक से सती गेट तक किए जा रहे सडक़ चौड़ीकरण कार्य के दौरान नरेन्द्र टॉकीज के समीप मिल्कीपुरा क्षेत्र में की गई खुदाई से क्षेत्रवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां सडक़ खोदने के दौरान बना बड़ा गड्ढा नाली के गंदे पानी से भर गया, वहीं खुदाई के दौरान पीएचई की पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई।

इसका असर रविवार सुबह देखने को मिला, जब पूरे इलाके में घरों के नलों से बदबुदार और मटमैला पानी आने लगा। पानी की स्थिति देखकर रहवासियों में नाराजगी फैल गई। कई लोगों ने अपने घरों में भरे गंदे पानी के बर्तन मीडियाकर्मियों को दिखाते हुए समस्या से अवगत कराया। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले सडक़ चौड़ीकरण के लिए यहां खुदाई की गई थी, जिसके बाद गड्ढा खुला ही छोड़ दिया गया। गड्ढे में नाली का गंदा पानी भरने और पाइपलाइन फूटने के कारण सीवरेज मिला पानी नलों में पहुंच रहा है। इससे लोगों को पेयजल के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है। रहवासियों ने कहा कि पीएचई और नगर निगम जल्द से जल्द पाइपलाइन की मरम्मत कर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करने और गड्ढे को भरने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में लोगों को हो रही परेशानी से राहत मिल सके। रहवासियों ने बताया कि नलों से आ रहे बदबुदार और मटमैले पानी के कारण पीने योग्य पानी की समस्या खड़ी हो गई है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द सुधार नहीं किया गया तो बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है।

पीएनजी वालों को लौटाना होगा एलपीजी सिलेंडर, हजारों उपभोक्ता होंगे प्रभावित

केंद्र के नए निर्देश के बाद दोहरे गैस कनेक्शन पर रोक की तैयारी, शहर में पीएनजी कनेक्शन की मांग अचानक बढ़ी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्र सरकार के नए निर्देश के बाद शहर के हजारों गैस उपभोक्ताओं को बड़ा बदलाव झेलना पड़ सकता है। नगर निगम सीमा में रहने वाले करीब 33 हजार परिवारों को अपने एलपीजी गैस कनेक्शन सरेंडर करने पड़ सकते हैं, क्योंकि उनके घरों में पहले से पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) का कनेक्शन मौजूद है। नए नियम के अनुसार एक ही घर में पीएनजी और एलपीजी दोनों कनेक्शन रखने की अनुमति नहीं होगी।

शहर में अवंतिका गैस लिमिटेड के करीब 33 हजार घरेलू पीएनजी कनेक्शन हैं। इनमें अधिकांश उपभोक्ताओं के पास पहले से एलपीजी कनेक्शन भी है। केंद्र के निर्देश तेल और गैस कंपनियों के माध्यम से एजेंसियों तक पहुंच गए हैं। पीएनजी कनेक्शनधारकों की सूची तैयार कर गैस एजेंसियों के जरिए उनसे एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करवाए जाएंगे।

अवंतिका गैस के पास घरेलू कनेक्शन के अलावा 74 कमर्शियल और 42 इंडस्ट्रियल कनेक्शन भी हैं। ये कनेक्शन मुख्य रूप से नागझिरी और मक्सी रोड उद्योगपुरी क्षेत्र में दिए गए हैं।

किल्लत के बीच पीएनजी की मांग में उछाल- हाल के दिनों में एलपीजी सिलेंडर की किल्लत के कारण शहर में पीएनजी कनेक्शन लेने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अवंतिका गैस कार्यालय में पहले जहां रोजाना करीब 30 लोगों की पूछताछ होती थी, वहीं अब यह संख्या बढ़कर करीब 300 तक पहुंच गई है।

ऐसे मिलेगा नया पीएनजी कनेक्शन- पीएनजी कनेक्शन लेने के लिए उपभोक्ताओं को नागझिरी, देवास रोड स्थित अवंतिका गैस लिमिटेड कार्यालय में आवेदन करना होगा।

-आवेदन के साथ 6000 रुपये जमा करने होंगे।

-इसमें 5500 रुपये रिफंडेबल सिक्योरिटी और 500 रुपये रजिस्ट्रेशन शुल्क शामिल है।

-कंपनी की टीम क्षेत्र का सर्वे कर गैस लाइन की उपलब्धता जांचती है।

-यदि लाइन उपलब्ध है तो करीब एक माह में कनेक्शन शुरू कर दिया जाता है।

एचपी और इंडेन की ऑनलाइन बुकिंग शुरू- शहर के गैस उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर यह रही कि एचपी गैस और इंडेन के सिलेंडरों की ऑनलाइन बुकिंग रविवार से शुरू हो गई। कई उपभोक्ताओं ने सिलेंडर बुक कर राहत महसूस की। हालांकि भारत गैस की ऑनलाइन बुकिंग अब तक शुरू नहीं हो सकी है।

रविवार को भी खुलीं गैस एजेंसियां- सिलेंडर को लेकर चल रही परेशानी के बीच रविवार को भी शहर की गैस एजेंसियां खुली रहीं। हालांकि भीड़ सामान्य दिनों की तुलना में कम रही। जिन उपभोक्ताओं को एजेंसियों के खुले होने की जानकारी थी, वे सुबह ही सिलेंडर लेने पहुंच गए।

कमर्शियल सिलेंडर बुकिंग पर सस्पेंस बरकरार- कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग पर लगी रोक हटाने की खबरें सामने आई हैं, लेकिन स्थानीय एजेंसियों को अभी तक स्पष्ट निर्देश नहीं मिले हैं। गैस एजेंसी संचालकों सुरेश जैन और भगवानदास एरन के अनुसार कंपनी की ओर से निर्देश मिलने के बाद ही कमर्शियल सिलेंडर की नई बुकिंग शुरू हो सकेगी।

मांगने पर प्रशासन को दी जाएगी जानकारी- अवंतिका गैस लिमिटेड के ऑपरेशन मैनेजर अभय तिवारी ने बताया कि यदि एलपीजी कंपनियां पीएनजी उपभोक्ताओं की जानकारी मांगती हैं तो सूची उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि बढ़ती मांग को देखते हुए नए पीएनजी कनेक्शन तेजी से दिए जा रहे हैं और इसके लिए टीम भी बढ़ाई गई है।

स्वर्णकार समाज ने निकाला भव्य फूलपाती चल समारोह, दूल्हा-दुल्हन बने युवा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मनाए जाने वाले सुहाग और आस्था के पर्व गणगौर के अवसर पर रविवार शाम शहर में भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला। श्री मेढ क्षत्रिय मारवाड़ी स्वर्णकार महिला संगठन, उज्जैन द्वारा समाज अध्यक्ष अरविंद वर्मा के मार्गदर्शन एवं महिला अध्यक्ष मनोरमा मौसूण के नेतृत्व में गणगौर का भव्य फूलपाती चल समारोह निकाला गया। यह धार्मिक पर्व वैवाहिक सुख और दाम्पत्य जीवन की समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। गण यानी भगवान शिव और गौरी यानी माता पार्वती के इस विवाह प्रसंग से जुड़े पर्व में परंपरानुसार युवतियों को दूल्हा-दुल्हन (बाना) के रूप में सजाया गया। मान्यता है कि इस दिन अविवाहित लड़कियां अच्छे वर और विवाहित महिलाएं पति की लंबी आयु व सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं। समारोह में शामिल महिलाएं और युवतियां शिव रूपी धनिया राजा और पार्वती रूपी रनुबाई (गणगौर माता) की प्रतिमा व फूलपाती को सिर पर रखकर भक्तिमय गीत गाते और नृत्य करते हुए चल रही थीं।

रुद्रवीर सेना की भव्य भगवा यात्रा संपन्न- टावर चौक पर समापन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन में आज सनातन धर्म और सांस्कृतिक एकता का भव्य प्रदर्शन देखने को मिला। राष्ट्रीय श्री रुद्रवीर सेना के तत्वावधान में द्वितीय वर्ष की भगवा यात्रा दोपहर 1 बजे टावर चौक पर सफलतापूर्वक समाप्त हुई। यात्रा के दौरान जय श्री महाकाल के जयघोष और भगवा ध्वजों से पूरा शहर गूंज उठा। समापन पर उज्जैन जिला अध्यक्ष कृष्णा सिंह चौहान, (बजरंगी) को विशेष 'कर्मवीर सम्मान' से नवाजा गया। सुबह 11 बजे नागझरी से शुरू हुई यह शौर्य यात्रा पुलिस लाइन, भरतपुरी चौराहा, ऋषि नगर, तीन बत्ती चौराहा, इंदिरा गांधी चौराहा होते हुए टावर चौक पर पहुंची। हजारों धर्मप्रेमी श्रद्धालु, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता भगवा ध्वज लहराते हुए, भक्ति संगीत और जयकारों के साथ शामिल हुए।

सिंहस्थ से पहले तैयार होगा इंदौर-उज्जैन सिक्सलेन, 1692 करोड़ से बन रहा महाकाल हाईवे

46 किमी मार्ग का चौड़ीकरण, 3 फ्लाईओवर और 6 अंडरपास से निर्बाध होगा सफर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आर्थिक राजधानी इंदौर और धर्मनगरी उज्जैन के बीच यात्रा को तेज और सुरक्षित बनाने के लिए इंदौर-उज्जैन फोरलेन को सिक्सलेन में बदला जा रहा है। करीब 1692 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को सिंहस्थ 2028 से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

इस परियोजना का भूमिपूजन 19 सितंबर 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था। निर्माण कार्य महाकाल हाईवे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा किया जा रहा है। करीब 46.475 किलोमीटर लंबा यह सिक्सलेन मार्ग इंदौर के अरबिंदो मेडिकल कॉलेज से उज्जैन के हरिफाटक ओवरब्रिज तक बनाया जा रहा है।

फिलहाल मौजूद फोरलेन सड़क के दोनों ओर 8.5-8.5 मीटर की नई लेन जोड़ी जा रही हैं। इसके बाद सड़क की कुल चौड़ाई बढ़कर 25 मीटर हो जाएगी। निर्माण कार्य को कई हिस्सों में बांटकर तेज गति से किया जा रहा है, ताकि तय समय सीमा में परियोजना पूरी हो सके।

हाईवे को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए इसमें 3 फ्लाईओवर और 6 अंडरपास भी बनाए जा रहे हैं। इससे मार्ग पर यातायात सुचारु रहेगा और दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी। उल्लेखनीय है कि इंदौर-उज्जैन मार्ग पर अभी प्रतिदिन करीब 25 हजार वाहनों की आवाजाही होती है। अनुमान है कि सिंहस्थ 2028 के दौरान यह संख्या बढ़कर 60 हजार वाहनों प्रतिदिन तक पहुंच सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए सिक्सलेन को अगले 25 वर्षों की यातायात जरूरतों के हिसाब से विकसित किया जा रहा है।

इस मार्ग के तैयार होने के बाद इंदौर से उज्जैन आने-जाने वाले श्रद्धालुओं, व्यापारियों और पर्यटकों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही दोनों शहरों के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा।

फैक्ट फाइल : इंदौर-उज्जैन सिक्सलेन

लागत - 1692 करोड़ रुपए
लंबाई - 46.475 किमी
चौड़ाई - 25 मीटर
फ्लाईओवर - 3
अंडरपास - 6
भूमिपूजन - 19 सितंबर 2024

ये होंगे बड़े फायदे

इंदौर और उज्जैन के बीच तेज व निर्बाध यातायात
व्यापार, पर्यटन और तीर्थाटन को बढ़ावा
सिंहस्थ के दौरान भारी ट्रैफिक का बेहतर प्रबंधन
आधुनिक हाईवे से सुरक्षित और आरामदायक सफर

गरोठ हाईवे पर रात में हुई सड़क दुर्घटना में पिता पुत्र की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार-रविवार रात गरोठ हाईवे पर हुई सड़क दुर्घटना में 11 साल के बालक की मौत हो गई थी। माता-पिता और छोटा भाई घायल था। पिता की हालत गंभीर होने पर इंदौर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में पिता की भी मौत हो गई। मां और 5 साल के पुत्र का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि आगररोड स्थित गरोठ हाईवे पर रात में अज्ञात वाहन द्वारा बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी गई थी।

दुर्घटना में घायल दो बच्चों और उनके माता-पिता को आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया था जहां एक 11 साल के बालक की मौत होने पर चरक अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। अज्ञात बालक के निधन की सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची। जहां सामने आया कि माता-पिता और छोटा भाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर मृतक बालक का नाम हाशिब पिता मुकरम हुसैन 11 साल निवासी श्यामगढ़ मंदसौर सामने आया। घायलों में उसके पिता मुकरम हुसैन, मां निगार हुसैन और भाई मुकरीब हुसैन 5 साल सामने आये। पिता की हालत गंभीर होने पर उन्हें इंदौर रेफर किया गया था लेकिन रास्ते में उनकी भी मौत हो गई। दुर्घटना की जानकारी लगने पर रात में परिजन उज्जैन पहुंच गए थे। मां और मासूम बेटे को निजी अस्पताल ले जाया गया, दोनों का उपचार जारी है। चिमनगंज पुलिस के अनुसार 11 साल के बालक का पोस्टमार्टम उज्जैन चरक अस्पताल में कराया गया है वहीं पिता का पोस्टमार्टम इंदौर में हुआ है। परिजनों ने बताया कि मुकरम हुसैन का ससुराल उज्जैन स्थित आगर रोड पर बनी नई आबादी में है। चारों बाइक पर सवार होकर श्यामगढ़ से उज्जैन आ रहे थे। फिलहाल मामले में मर्ग कायम किया गया है अज्ञात वाहन की तलाश में घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे हैं।

मणिनगर में चोरों ने तोड़े तीन सूने मकानो के ताले

एक परिवार के लौटने पर चला पता, 2 ओर मकानों में हुई चोरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चोरों ने इस बार मक्सी रोड पर धावा बोला और तीन सूने मकान के ताले तोड़ दिए। तीनों मकान से वारदात कर चोर भाग निकले। आज सुबह एक परिवार वापस लौटा तो तीनों मकान में हुई चोरी की जानकारी सामने आई।

पंवासा थाना क्षेत्र के मणिनगर में रहने वाले ईश्वर प्रसाद पिता बाबूलाल वाडिया का पैतृक मकान किशनपुरा में है। 2 दिन पहले दशा माता का पूजन होने पर परिवार के साथ पैतृक मकान गए हुए थे। मणिनगर के मकान पर ताला लगा हुआ था। रविवार सुबह वाडिया परिवार मणिनगर पहुंचा तो उन्होंने अपने मकान का ताला टूटा पाया। घर में सामान बिखरा पड़ा था। रात में चोरों ने वारदात को अंजाम दिया था। मामले की सूचना पुलिस को दी गई इसी बीच सामने आया कि चोरों ने पड़ोस में रहने वाले तपेश पिता लक्ष्मी नारायण भाट और अनिशा शर्मा के मकान का भी ताला तोड़ा गया है।

अनीशा बैतूल की रहने वाली है जो कुछ दिनों से बैतूल गई हुई है। तपेश परिवार में रिश्तेदार की तबीयत खराब होने पर झालावाड़ गया हुआ है। रात में तीन मकान में हुई चोरी के बाद पुलिस ने जांच शुरू की इस दौरान ईश्वर प्रसाद ने बताया कि चोरों ने उनके घर की तलाशी ली है लेकिन कुछ खास सामान चोरी नहीं हुआ है। पुलिस के अनुसार दो परिवार शहर से बाहर हैं उनके आने पर चोरी गए सामान की जानकारी सामने आ पाएगी। चोरों का पता लगाने के लिए फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट टीम को बुलाया गया है वहीं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी देखे जा रहे हैं। विदित हो कि शहर में पिछले कुछ महीनो से लगातार सूने मकान और दुकानों को बदमाशों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। नानाखेड़ा क्षेत्र में दो से तीन मकान में हुई चोरी की वारदात के दौरान सामने आए फुटेज में दो बदमाशों के साथ एक युवती भी दिखाई दी थी।

कोतवाली क्षेत्र में रॉयल मेडिकल पर हुई चोरी में दो बदमाशों के साथ एक महिला होना सामने आई थी। चिमनगंज क्षेत्र में हुई तीन से कर वारदात में पुरुष बदमाश दिखाई दिए थे। जिसमें से कुछ बदमाशों की पहचान पारदी गिरोह के रूप में हो चुकी है। लेकिन अब तक गिरफ्त में नहीं आ सकते हैं।

चौड़ीकरण कार्य तेजी से करते हुए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें- संभाग आयुक्त आशीष सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम के प्रगतिरत चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण रविवार को संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह द्वारा निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के साथ करते हुए प्रगतिरत कार्यों की जानकारी ली, संभाग आयुक्त एवं निगम आयुक्त द्वारा खजूर वाली मस्जिद से केडी गेट होते हुए जुना सोमवारिया तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए संबंधित ठेकेदार एवं अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कार्य को गुणवत्ता पूर्वक एवं तेज गति के साथ पूर्ण करें नाली निर्माण कार्य की गति को बढ़ाए नाली निर्माण कार्य में प्री स्टेट क्वालिटी की तकनीकी अपनाए, वीडी क्लॉथ क्लॉथ मार्केट से तेलीवाड़ा चौड़ीकरण कार्य में संभाग आयुक्त श्री सिंह द्वारा निर्देशित किया गया कि डीएलसी सड़क के ऊपर टाटा की सीवरेज लाइन का कार्य शीघ्र पूर्ण करे, विद्युत पोल पर ट्रांसफार्मर एवं विद्युत सप्लाई का कार्य करने, रात्रिकालीन शिफ्ट में सड़क निर्माण में पीक्यूसी का कार्य करने के निर्देश दिए।कोयला फाटक से तेलीवाड़ा चौड़ीकरण कार्य के निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया कि सड़क निर्माण में डीएलसी का कार्य पूर्ण हो गया है वहां पीक्यूसी का कार्य आरंभ कर प्रगतिरत नाली निर्माण का कार्य पूर्ण करे।

निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री श्री हिमांशु तिवारी, सहायक यंत्री श्री डीएस परिहार, कंसल्टेंट एवं ठेकेदार उपस्थित रहें विधायक, महापौर एवं निगम आयुक्त की उपस्थिति में नगर निगम परिवार का होली मिलन समारोह आयोजित हुआ।

तलवार से सफाई कर्मी पर हमले का प्रयास करने वाला गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फाजलपुरा में शनिवार सुबह गीला-सूखा कचरा अलग करने की बात पर एक युवक ने सफाईकर्मी के साथ मारपीट कर तलवार तान दी थी। घटनाक्रम के बाद पुलिस को शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने चंद घंटे में आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया। जिसके खिलाफ मारपीट और शासकीय कार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज किया गया है। नगर निगम द्वारा शहर में कचरा कलेक्शन का काम किया जाता है। सफाईकर्मी प्रतिदिन शहर में घरों से कचरा कलेक्शन करते है। शुक्रवार सुबह सफाई कर्मी कचरा गाड़ी के साथ फाजलपुरा पहुंचे थे। जहां घरों से कचरा एकत्रित किया जा रहा था। गली नम्बर 3 में सफाईकर्मी फैजान पिता जफर निवासी हेलावाड़ी पहुंचा।

जहां एक युवक कचरा लेकर आया। फैजान ने गीला-सूखा कचरा अलग देने के लिये कहा तो युवक ने विवाद कर मारपीट शुरू कर दी। यहीं नही उसने घर में रखी तलवार निकाली और फैजान को मारने दौड़ा। सफाईकर्मी ने भागकर जान बचाई। घटनाक्रम की जानकारी अन्य सफाईकर्मियों को लगी तो सभी एकत्रित हो गये। नगर निगम के दरोगा भी फाजलपुरा पहुंचे और मामले की जानकारी ली। फैजान के साथ हुई घटना से सफाईकर्मी आक्रोशित हो गये और चिमनगंज थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया ने बताया कि सफाईकर्मियों की शिकायत पर आरोपी युवक के खिलाफ मारपीट करने और शासकीय कार्य में बाधा का प्रकरण दर्ज किया गया। फाजलपुरा पहुंचकर युवक के परिजनों से पूछताछ की गई और कुछ घंटे बाद आरोपी कादर को हिरासत में ले लिया गया। जिससे पूछताछ की जा रही है। रविवार दोपहर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया।